श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 212, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 29 अगस्त 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

पीएम ने किया सोनीपत मारुति प्लांट का शिलान्यास

सीएम मनोहर लाल बोले- 11 हजार को रोजगार मिलेगा

सोनीपतः हरियाणा के सोनीपत में रविवार को आईएमटी खरखौदा में मारुति ने अपने तीसरे प्लांट की नींव रखी। जापान की यह कंपनी देश की सबसे बड़ी कार निर्यातक कंपनी है। खरखौदा में 18 हजार करोड़ का निवेश करते हुए कुल 800 एकड़ जमीन पर अपना प्लांट स्थापित करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात से वर्चुअल तौर पर शिलान्यास कार्यक्रम से जुड़े हैं। सीएम मनोहल लाल कार्यक्रम में बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मारुति प्लांट में 11 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। उनके साथ डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, गृह मंत्री अनिल विज, सांसद रमेया कौशिक, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष ओपी धनखड़ समेत कई बड़े नेता और अधिकारी मौजूद हैं। पीएम मोदी कुछ देर बाद सोनीपत के जिस मारुति सुजुकी प्लांट का शिलान्यास करने वाले हैं, यह दुनिया का ऐसा पहला प्लांट होगा, जिसमें सालाना 10 लाख गाड़ियां बनेंगी। आईएमटी खरखौदा में मारुति प्लांट के शिलान्यास को लेकर जो कार्यक्रम तय किया गया है, उसमें प्रधानमंत्री मोदी शाम 5 बजे के करीब गुजरात के समारोह में शामिल होंगे, जिसका सीधा प्रसारण खरखौदा में किया जाएगा। वे वहां कार्यक्रम में ग्रुप फोटो भी करवायेंगे। इसके उपरांत मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव का स्वागत संबोधन होगा।

दो फेज में होगा प्लांट का निर्माणः मारुति के खरखौदा प्लांट का दो सत्रों में शुरू होगा। पहले फेज में 2025 में प्लांट में गाड़ियों का निर्माण होगा, वहीं दूसरे फेज का काम 2028 में होगा। इसमें 21 हजार लोगों को रोजगार मिलने की बात कही जा रही है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड यहां 18 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगी। पहले फेज में सालाना 2.50 लाख गाड़ियां बनने लगेंगी। 2026 से दूसरे फेज पर काम होगा, जो

2028 में पूरा हो सकता है। इसके बाद सालाना 10 लाख गाड़ियों का निर्माण होगा। यह दुनिया का पहला ऐसा प्लांट होगा, जहां एक ही जगह सबसे ज्यादा गाड़ियों का निर्माण होगा। यहां पर 800 एकड़ में मारुति की गाड़ियों और 100 एकड़ में सुजुकी की बाइक का प्रोजेक्ट लग रहा है। कार वाले प्रोजेक्ट से करीब 18 हजार और बाइक वाले प्रोजेक्ट से 3 से 4 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। मारुति आईएमटी में 20 मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट भी लगाएगी।

गुजरात के प्लांट का शिलान्यास भी आजः मारुति सुजुकी ने पहले एलान किया था कि खरखौदा में इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाई जाएंगी। इसमें अब बदलाव कर दिया गया है। खरखौदा में इलेक्ट्रिक गाड़ियों का निर्माण नहीं होगा। ईवी व बैटरी का प्रोजेक्ट अब गुजरात में होगा। इसकी आधारशिला भी रविवार को पीएम मोदी ने रखा।

'गुजरात को बदनाम करने और निवेश रोकने की साजिशें हुईं; फिर भी हुआ विकास'

'भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र होगा'

भुजः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भुज में कहा कि गुजरातको बदनाम करने और उनके गृह राज्य में निवेश रोकने की साजिशें हुई हैं, लेकिन गुजरात ने उनकी अनदेखी की और प्रगति की नई राह पकड़ी। पीएम मोदी इस साल के अंत में होने वाले गुजरात चुनाव से पहले भुज जिले में विकास कार्यों का उद्घाटन और आधारशिला रखने के बाद एक रैली को संबोधित कर रहे थे। पीएम मोदी ने कहा कि वह स्पष्ट रूप से कल्पना कर सकते हैं कि अब कई कमियों के बावजूद भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र होगा। पीएम ने भुज में लगभग 4400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसमें सरदार सरोवर परियोजना की कच्छ शाखा नहर, सरहद डेयरी के नए स्वचालित दूध प्रसंस्करण और पैकिंग प्लांट, भुज में क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, डॉ बाबासाहेब अंबेडकर कन्वेंशन सेंटर शामिल हैं।

हमने आपदा को अवसर में बदलाः मोदी ने कहा कि जब गुजरात एक के बाद एक प्राकृतिक आपदाओं से निपट रहा था, देश और दुनिया में गुजरात को बदनाम करने की साजिश रची गई थी। गुजरात में आने वाले निवेश को रोकने के लिए बार-बार प्रयास किए गए। उन्होंने कहा कि गुजरात ने इसे बदनाम करने के सभी प्रयासों को नजरअंदाज किया, साजिशों को धता बताया और राज्य ने प्रगति के एक नए औद्योगिक पथ का निर्माण किया। 2001 के कच्छ भूकंप के बाद विनाश के बीच मैंने कच्छ के पुनर्विकास के बारे में बात की थी और हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की थी। चुनौती की उस घड़ी में हमने घोषणा की थी कि हम आपदा को अवसर में बदल देंगे और हमने इसे हासिल कर लिया। आज आप परिणाम देख रहे हैं।

गुजरात आपदा प्रबंधन अधिनियम लागू करने वाला देश का पहला राज्यः उन्होंने कहा कि कई लोगों ने कहा कि कच्छ भूकंप से उबर नहीं पाएगा, लेकिन वहां के लोगों ने परिदृश्य बदल दिया है। जब मैं लाल किले की प्राचीर से कहता हूं कि 2047 तक भारत एक विकसित देश हो जाएगा, हालांकि अभी आप कई कमियां देख सकते हैं, मैं इसकी स्पष्ट रूप से कल्पना कर सकता हूं। आज हमने जो संकल्प लिया है, वह निश्चित रूप से

'वेल्डिंग पाइप निर्माण के मामले में कच्छ दुनिया में दूसरे स्थान पर'

2001 में कच्छ की तबाही के बाद से किए गए अविश्वसनीय कार्यों पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने कहा कि 2003 में क्रांतिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय का गठन किया गया था और 35 से अधिक नए कालेज भी स्थापित किए गए हैं। उन्होंने भूकंप रोधी जिला अस्पतालों और क्षेत्र में 200 से अधिक कार्यात्मक क्लीनिकों के बारे में भी बात की और कहा कि हर घर को पवित्र नर्मदा नदी का साफ पानी मिलता है, जो उन दिनों की कमी से बहुत दूर है। भूकंप के बाद क्षेत्र के विकास के बारे में बोलते हुए मोदी ने कहा कि कच्छ में आज दुनिया के सबसे बड़े सीमेंट संयंत्र हैं। वेल्डिंग पाइप निर्माण के मामले में यह दुनिया में दूसरे स्थान पर है। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपड़ा संयंत्र कच्छ में है। एशिया का पहला विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसइजेड) कच्छ में आया है। कांडला और मुंद्रा बंदरगाह भारत के 30 प्रतिशत कार्गो को संभालते हैं और कच्छ देश के 30 प्रतिशत नमक का उत्पादन करते हैं।

आजादी के बाद हुई खादी की अनदेखी: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि खादी 'विकसित और आत्मनिर्भर' भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन सकती है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि कभी स्वाभिमान के प्रतीक खादी को स्वतंत्रता के बाद घटिया उत्पाद माना जाने लगा। साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित खादी उत्सव को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि इतिहास गवाह है कि खादी का धागा स्वतंत्रता संग्राम के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन गया और लोगों ने गुलामी की जंजीरों को तोड़ दिया। उसी तरह खादी का धागा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने, आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हो सकता है।

अटल सेतु का उद्घाटनः खादी उत्सव के दौरान प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में साबरमती नदी पर बने अटल सेतु का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह पुल न सिर्फ साबरमती के दो किनारों को जोड़ेगा, बल्कि डिजाइन और इनोवेशन में भी यह अभूतपूर्व है। पीएम ने कहा कि गांधीनगर और गुजरात ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को बहुत प्यार दिया है। 1996 में अटलजी गांधीनगर से रिकार्ड मतों से लोकसभा चुनाव जीते थे। यह पुल स्थानीय लोगों द्वारा उनको हार्दिक श्रद्धांजलि है।

2047 में साकार होगा। उन्होंने कहा कि गुजरात आपदा प्रबंधन अधिनियम लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इस अधिनियम से प्रेरणा लेकर पूरे देश के लिए एक समान कानून बनाया गया। इस अधिनियम ने कोविड-19 महामारी के दौरान देश की हर सरकार की मदद की।

आत्मनिर्भर भारत की ओर एक और कदम

स्वदेशीकरण के लिए 780 रक्षा उत्पादों की तीसरी सूची जारी

नई दिल्लीः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को 780 उत्पादों और उपकरणों की तीसरी नई सूची जारी की। इस दौरान रक्षा मंत्री कहा कि इस सूची को निश्चित समय के लिए मंजूरी दी गई है। इससे रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा किए जा रहे आयात में कमी आएगी। साथ ही निर्धारित समय-सीमा के के बाद इन उत्पादों को केवल घरेलू उद्योग से खरीदा जाएगा। सरकार का ऐसा करना रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तरफ एक ओर कदम बताया जा रहा है।

आयात होगा कमः यह तीसरी ऐसी 'सकारात्मक स्वदेशीकरण'

सूची है जिसमें विभिन्न सैन्य प्लेटफार्मों, उपकरणों और हथियारों के लिए उपयोग की जाने वाली इकाइयों, उप-प्रणालियों और घटकों को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा आयात को कम करना है। रक्षा मंत्रालय ने दिसंबर 2023 से दिसंबर 2028 तक की अवधि में वस्तुओं के आयात प्रतिबंध के लिए समय सीमा निर्धारित की है।

केरल में 50% ही बची हाथियों की संख्या

तिरुअनंतपुरमः केरल में बंदी हाथियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। साल 2008 में यहां करीब 900 बंदी हाथी थे, लेकिन अब इनकी संख्या में 50% की कमी दर्ज की गई है। अब केवल 448 हाथी ही बचे हैं। बीते 5 साल में 115 बंदी हाथियों की मौत हुई है। 14 जुलाई को मंगलमकुन्नू केशवन नामक हाथी की मौत हो गई थी। एलिफैंट टास्क फोर्स की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि उसे बिना फिटनेस सर्टिफिकेट के परेड में शामिल किया गया था। हेरिटेज एनिमल टास्क फोर्स के सचिव वीके वेंकटचलम कहते हैं कि जो हाथी बंदी हैं।

नोएडा में 32 मंजिला ट्विन टॉवर 12 सेकेंड में जमींदोज

नोएडाः नोएडा के सेक्टर-93बी में बने सुपरटेक के अवैध ट्विन टॉवर 3700 किलो विस्फोटक के इस्तेमाल से रविवार को अपराह्न 2.30 बजे ढहा दिए गए। 32 मंजिला इस ट्विन टॉवर को गिरने में करीब 12 सेकेंड का समय लगा। ध्वस्तीकरण प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन किया गया। ऑपरेशन ट्विन टॉवर की टेक्निकल टीम के अधिकारियों ने इस ऑपरेशन को पूरी तरह सफल बताया। एक अधिकारी ने कहा कि यह ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा। सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ। ट्विन टॉवर को गिराने के लिए विस्फोट की जिस तकनीक का इस्तेमाल किया गया, उसकी खासियत यही रही कि आसपास की किसी इमारत को नुकसान नहीं पहुंचा। दोनों टावर अपनी जगह पर जमींदोज हो गए और केवल धूल का गुबार ही नजदीकी इमारतों तक पहुंचा। नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ऋतु महेश्वरी ने कहा कि मौके पर उठे हुए प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए फागिंग और अन्य उपकरण चालू कर दिए गए हैं। तकनीकी टीम मौके पर आगे की जांच कर रही है। महेश्वरी ने कहा कि साढ़े छह बजे के बाद लोगों को प्रवेश करने दिया जाएगा। ढाई बजे ट्रिगर दबाया गया और हर मंजिल पर धमाका होने के साथ ही ट्विन टॉवर मलबे में

तब्दील हो गया। सौ मीटर से अधिक ऊंची इस इमारत को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ढहाया गया है। इसे अफ्रीका की कम्पनी ने ढहाया। इसके ध्वस्तीकरण पर करीब 17.5 करोड़ रुपये का खर्च हुआ। मौके पर पुलिस एवं एनडीआरएफ की टीमें भी तैनात की गयी हैं। इस पूरी घटना की कवरेज के लिए नेशनल और इंटरनेशनल मीडिया भी मौके पर मौजूद रहा। ट्विन टॉवर को सुपरटेक बिल्डर ने बनाया था। जिस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा था और सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इसे गिराया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि टॉवर ध्वस्त करने की पूरी प्रक्रिया में आसपास के आवासीय परिसर में निवासरत लोगों की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जाए, साथ ही पर्यावरणीय मानकों का भी ध्यान रखा जाए।

झारखंड में जारी है सियासी संकट

रांचीः झारखंड में तीन दिन से जारी सियासी संकट के बीच एक बार फिर सीएम हाउस में यूपीए की बैठक हुई। सीएम के साथ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे भी शामिल हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे से मुलाकात की थी। स्टेट गेस्ट हाउस में लगभग 1 घंटे तक चली इस मुलाकात के दौरान उन्होंने विधायकों के एकजुटता को लेकर डिस्कस किया। पांडे ने सोरेन को आश्वासन दिया कि कांग्रेस के सभी विधायक उनके साथ एकजुट हैं। सीएम एक घंटा रहने के बाद वापस अपने कांके रोड स्थित घर पर चले गए। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने साफ तौर पर कहा है कि अगर मुख्यमंत्री चाय पर बुला लेंगे तो पार्टी के प्रदेश प्रभारी अवश्य मिलने के लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह पहला मौका नहीं है, जब सीएम पार्टी प्रभारी से मिलने आए हैं। दिल्ली में भी अक्सर ऐसा होता है। उन्होंने कहा कि पार्टी का कोई विधायक कहीं नहीं जा रहा है, सब यही हैं। बता दें शाम को इससे पहले शनिवार को कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे रांची पहुंचे थे।

मन की बातः देश में डिजिटल इंटरप्रेन्योर पैदा हो रहे

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रेडियो पर 'मन की बात' कार्यक्रम के 92वें ऐपिसोड के जरिए देश के लोगों को संबोधित कर रहे हैं। जल संरक्षण पर बोलते हुए मोदी ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों की चिंता हो तो सामर्थ्य खुद ही आ जाता है। इसके कई उदाहरण अपने देश में ही हैं। मोदी ने आगे कहा कि देश में मोटे अनाज के प्रति लोगों का लगाव बढ़ा है। यहां तक की विदेशी मेहमानों ने भी मोटे अनाज से बने व्यंजन की तारीफ की है।

दूरदर्शन के स्वराज प्रोग्राम को देखने की अपील कीः प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों सूचना प्रसारण मंत्रालय के एक प्रोग्राम स्वराज में जाने का मौका मुझे मिला। इस प्रोग्राम में आजादी में भाग लेने वाले अनसुने नायक-नायिकाओं की गाथा के बारे में बताया गया है। मैं आप सबसे अपील करता हूं कि इस प्रोग्राम को जरूर देखें।

अमृत सरोवर का निर्माण जन-आंदोलन बन गया हैः मोदी ने आगे कहा- मन की बात कार्यक्रम में 4 महीने पहले मैंने अमृत सरोवर बनाने की बात कही। इसके बाद जिला प्रशासन और स्वयं सेवी संस्थाएं जुटीं। स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ने के साथ ही यह अब एक जन-आंदोलन बन गया है।

तेलंगाना के पूर्व सांसद ने छोड़ी कांग्रेस, पार्टी की बबार्दी का जिम्मेदार राहुल को बताया

जी-23 के एक और मेंबर का इस्तीफा

नई दिल्ली

सीनियर नेता गुलाम नबी के कांग्रेस छोड़ने के बाद अब जी-23 ग्रुप के नेताओं का इस्तीफा भी शुरू हो गया है। तेलंगाना के कद्दावर नेता एमए खान ने भी इस्तीफा दे दिया है। खान ने भी इस्तीफा देते हुए कांग्रेस की बबार्दी के लिए राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया है। खान कांग्रेस में बागी जी-23 ग्रुप के सक्रिय सदस्य थे और 2008 से लेकर 2020 तक राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। खान ने सोनिया को लिखी चिट्ठी में कहा कि कांग्रेस देश के जनता को यह समझाने में नाकाम रही कि पार्टी बदलाव कर रही है और देश को आगे ले जाना चाहती है। उन्होंने

आगे कहा- जब तक आप सक्रिय थीं तब तक पार्टी में सीनियर नेताओं से सुझाव लिया जाता था लेकिन अब यह प्रक्रिया खत्म हो चुका है। कांग्रेस पार्टी में 40 साल के इस यात्रा को मैं अब समाप्त कर रहा हूं।

तिवारी के तेवर बागी, आजाद से मिले आनंद शर्माः जी-23 के सदस्य और पंजाब से सांसद मनीष तिवारी ने शनिवार को कांग्रेस हाईकमान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। तिवारी ने कहा कि हाईकमान समझौता करने के मूड में नहीं था, इसलिए गुलाम नबी पार्टी छोड़ के चले गए हैं। तिवारी ने आगे कहा कि मैं किराएदार नहीं हूं, मैं इस घर को बनाने वाला हूं, इसलिए पार्टी छोड़ कर नहीं जाऊंगा। वहीं शनिवार को आजाद के आवास पर कांग्रेस नेता आनंद शर्मा पहुंचे और दोनों के बीच करीब 2 घंटे तक बातचीत हुई।

आईसीपी, सीआरपीसी में बदलाव करने जा रहा केंद्रः शाह

गांधीनगरः केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केंद्र ने दोषसिद्धी दर को विकसित देशों से ज्यादा ले जाने और आपराधिक न्याय प्रणाली को फोरेंसिक विज्ञान के साथ जोड़ने का लक्ष्य रखा है। गांधीनगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के पहले दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य छह साल से अधिक की सजा वाले अपराधों के लिए फोरेंसिक जांच को 'अनिवार्य और कानूनी' बनाना है।

प्रत्येक जिले में फोरेंसिक जांच सुविधा उपलब्ध कराएगी सरकारः उन्होंने कहा कि सरकार देश के प्रत्येक जिले में एक फोरेंसिक मोबाइल जांच सुविधा मुहैया कराएगी और जांच की स्वतंत्रता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करेगी।

खबर संक्षेप

दो पक्षों में मारपीट एससीएसटी व लूट का मुकदमा

मऊआइमा। मऊआइमा इलाके में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मार पीट छेडखानी लूट पाट सहित अनेकों धाराओं दोनों पक्षो की ओर से मुकदमा दर्ज किया गया है। मऊआइमा के ग्राम चंडीपटटी (शुकुल का पूरा) गांव निवासी एक दलित व्यक्ति का आरोप है कि खेत की जोताई को लेकर दबंगों ने उसे और उसकी घर की महिलाओं को मारे पीटे कपडे फाड दिए और अश्लील हरकतें किए। पुलिस ने दलित की तहरीर पर मनोज कुमार शुक्ला , धर्मेन्द्र कुमार ,आशीष कुमार उर्फ पूजन ,मनीष कुमार ,रजनीश कुमार तथा एक अज्ञात के खिलाफ एससी एसटी छेडखानी आदि का मुकदमा दर्ज कर दिया है। उधर दूसरे पक्ष का आरोप है कि खेत में जोताई से रोकने पर मारा पीटा गया तथा मेरी पत्नी का मंगलसूत्र ,चैन छीन कर दुराचार का असफल प्रयास किए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर राजेश कुमार ,सभाजीत ,बच्चू ,महाबल ,ननकू ,राकेश ,एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मुकदमा दर्ज का पुलिस जांच कर रही है ।

बड़ोखर गांव में सब्बा बानो की हत्या के तीन कातिलों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

अखंड भारत संदेश

एक अभियुक्त पुलिस पकड़ से बाहर, गिरफ्तारी के प्रयास जारी, अभियुक्तों के पास से दो अदद अवैध तमंचा 315 बोर, व 3अदद जिंदा कारतूस 315 बोर एवं आला कत्ल चाकू बरामद

पुलिस की गिरफ्त में हत्याकाण्ड के आरोपी

रत्योरा प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के बड़ोखर गांव में 19 व 20 अगस्त की रात्रि में घर के भीतर सो रही सब्बा बानो की हत्या के तीन कातिलों को पुलिस व एसओजी टीम ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जबकि एक कातिल फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा पूछताछ में बताया गया कि मृतका के घर में चोरी के उद्देश्य से तनवीर व समसाद द्वारा छत के रास्ते से चढ़कर घर के अंदर प्रवेश किया गया, तथा अंदर जाकर घर के पीछे का दरवाजा खोल दिया गया। उसी दरवाजे से सूरजकोल व विजय मुसहर घर के अंदर घुसे। सूरजकोल द्वारा घर में सो रही सब्बा बानो के पैर में पहनी पायल को खोलने का प्रयास किया जाने लगा तथा तनवीर व विजय द्वारा गले में पहने मंगलसूत्र को निकालने का प्रयास किया जाने लगा तभी सब्बा बानो जाग गई। घबराकर तनवीर ने उसका मुंह दबा लिया। ताकि वह शोर न मचा सके और विजय ने अपने पास पहले से रखे चाकू से गला काटकर सब्बा बानो की हत्या कर दी। गला काटने के बाद तनवीर ने सभा बानो के सिर के ऊपर तकिया रखकर मुंह दबा दिया। जबकि सूरज व शमशाद मृतका के दोनों पैरों को पकड़े हुए थे। महिला की हत्या करने के बाद यह चारों लोग डर कर घर से बाहर निकल कर भागे और तनवीर द्वारा हत्या कारित करने में इस्तेमाल किए गए चाकू को घर के बगल स्थित कुएं में डाल दिया। अभियुक्त सूरज कोल के पास से एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर व दो अदद जिंदा कारतूस तो शमशाद उर्फ अजहरुद्दीन के पास से एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर व एक जिंदा कारतूस जहां बरामद हुए वहीं अभियुक्त तनवीर के निशानदेही पर मृतका के घर के पास स्थित कुएं से आला कत्ल एक अदद चाकू बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों तनवीर पुत्र मोहम्मद हसन निवासी बड़ोखर थाना कोरांव, सूरज कोल पुत्र दशरथ कोल निवासी ग्राम दादर थाना कोरांव, शमशाद उर्फ अजहरुद्दीन पुत्र अमीरुद्दीन निवासी ग्राम बड़ोखर थाना कोरांव को जेल भेज दिया। घटना में शामिल एक अभियुक्त विजय मुसहर पुत्र बड़कू निवासी सिनहा नई बस्ती थाना जनेह जनपद रीवा मध्य प्रदेश की गिरफ्तारी हेतु पुलिस लगातार दबिश दे रही है। उक्त अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी कोरांव धीरेंद्र सिंह, उप निरीक्षक सौरभ कुमार वर्मा, कांस्टेबल सोनू यादव, कांस्टेबल वीरेंद्र विक्रम यादव, कांस्टेबल सच्चिदानंद यादव, उप निरीक्षक रणजीत सिंह एसओजी प्रभारी यमुनापार, हेड कांस्टेबल फिरोज खान, हेड कांस्टेबल स्वतंत्र यादव, कांस्टेबल अनिल सिंह, कांस्टेबल विक्रम यादव, कांस्टेबल आकाशदीप सिंह, कांस्टेबल सिद्धेश्वर पांडेय, उपनिरीक्षक शांतनु चतुर्वेदी सर्विलांस सेल प्रभारी प्रयागराज शामिल रहे।

दो गोवंश सहित तीन पशु तस्कर धराये

तीन अदद चापड़, क्वालिश, रस्सी आदि बरामद

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। पशु तस्करों द्वारा पशुओं की आये दिन चोरी से परेशान फूलपुर पुलिस को रविवार अलसुबह कामयाबी मिली। पुलिस ने वाहन सहित तस्करों को घेराबंदी कर धर दबोचा। इफको पुलिस चौकी इंचार्ज पंकज कुमार भाष्कर ने बताया कि आये दिन चौकी क्षेत्र के चिरौड़ा गांव के पास सुनसान जंगल मे तस्करों द्वारा पशुओं का वध कर आसपास की बाजारों में मांस बेचते थे। बताये कि मुखबिर की सूचना मिली कि क्वालिश से तस्कर घुमंतू गोवंश लेकर जा रहे है। चौकी इंचार्ज हमराहियों को चिरौड़ा के आसपास नजर रखे हुए थे कि दो बजे भोर में खोदायपुर पुर के तरफ से क्वलिस आईं। पुलिस से घिरता देख तस्कर भागने लगे। जिन्हें दौड़ाकर सिपाहियों ने मो नौशाद 29 पुत्र लुकमान निवासी कहरा उतरांव, अरसद अली 19 पुत्र कल्लू व सिराज 40 पुत्र पीर मोहम्मद निवासीगण चिरौड़ा थाना फूलपुर को धरदबोचा। तस्करी में प्रयुक्त क्वालिश में बेरहमी से बंधे दो गोवंश, तीन चापड़, धार देने वाला पत्थर, नायलॉन की रस्सी बरामद कर फूलपुर कोतवाली ले गए। अभिलेखीय कारवाही के बाद तीनों को विभिन्न धाराओं में जेल भेज दिए।

बकाया पर कटी बिजली को जबरन जोड़ने का दबाव बनाकर लोगों ने लाइन मैन को पीटा

अखंड भारत संदेश

आक्रोशित विद्युत कर्मियों ने थाने का किया घेराव

नैनी। थाना अंतर्गत मानस विहार कॉलोनी में बीती रात बिजली आपूर्ति ठप्प होने की शिकायत कर बुलाए गए सोमेश्वर पावर हाउस के लाइनमैन (संविदा कर्मी) को आधे दर्जन लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया।घटना को लेकर विद्युत कर्मियों में आक्रोस कायम है। घटना की सूचना पर पहुंचे बिजली विभाग के अधिकारियों एवं साथी संविदा कर्मियों ने मिलकर शिकायत नैनी थाने पर तहरीर देकर की गई।मामला दर्ज कराने का प्रयास किया गया। परंतु पुलिस के टालमटोल करने के कारण थाने पर जमा रहे।

मिली जानकारी के अनुसार सोमेश्वर पावर हाउस में धीरज नामक लाइनमैन संविदा कर्मी के रूप में कार्यरत है बताते है कि मानस विहार कॉलोनी की लिफ्ट की लाइट बिजली का बकाया होने के कारण विभाग ने काट दिया था। बीती रात को कुछ लोगों ने संविदा कर्मी धीरज को बिजली ठप्प होने की शिकायत कर बुलाया इसके बाद उससे लिफ्ट की लाइट चालू कराने का दबाव बनाया जाने लगा जब उसने लाइट जोड़ने से इनकार किया तो उसकी लोगों ने जमकर पिटाई कर दी इसके साथ ही केबिन बॉक्स की चाबी भी छीन ली। घटना में धीरज को काफी चोटे आई उसका मेडिकल कराया गया थाने पर मामला दर्ज न किए जाने से विद्युत विद्युत विभाग के एसडीओ. जेई समेत साथी कर्मचारियों ने मामला दर्ज कराने का प्रयास किया परंतु पुलिस द्वारा कार्यवाई न किए जाने आक्रोश व्याप्त है। खबर लिखे जाने तक नैनी थाने में एफ आई आर नहीं दर्ज हुई।

करंट की चपेट में आया लाइनमैन, मौत

नैनी। नैनी कोतवाली क्षेत्र के रीवा रोड पावर हाउस अंतर्गत मड़ौका गांव में लाइन बनाते समय अचानक करंट उतारने से लाइन मैन बुरी तरह झुलस गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक लाइन मैन मड़ौका फीडर का बताया जा रहा है। मृतक लाइनमैन का नाम राजेन्द्र विष्वकर्मा बताया जा रहा है। मौके पर मौजूद लोगों की माने तो राजेन्द्र ने शटडाउन लिया था, लेकिन अचानक उसमें लाइन आ गई। उसकी मौत से पूरे विभाग के लोगो मे गम का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

लेनदेन को लेकर ढाबे पर की मारपीट दी तहरीर

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत मदार्पुर गांव स्थित एक ढाबे पर शनिवार की रात कुछ अराजक तत्वों ने पहुंचे और सिगरेट के पैसे की लेनदेन को लेकर कहासुनी करने लगे।इसी बीच अराजकतत्वों ने ढाबे पर काम कर रहा एक युवक को पीट दिया। जब ढाबा संचालक व काम करने वाले विरोध कीये तो दोनों पक्षों में मार पीट हो गया। रात में ही ढाबा संचालक चिंतामणि यादव ने डायल 112 पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी। जब तक मौके पर पुलिस पहुंची उससे पहले उक्त हमलावर ढाबे पर रखी कुर्सियों में तोड़फोड़ करते हुए मौके से भाग निकले। इस दौरान ढाबे पर काम करने वाले राहुल यादव समेत तीन लोगो को चोटे आई। रविवार सुबह ढाबा संचालक चिंतामणि यादव ने पचदेवरा के दो युवकों और पुरैनी के एक ढाबा संचालक के खिलाफ नामजद और कई अज्ञात के खिलाफ करछना थाने में तहरीर दी है।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ तहसील करछना इकाई की मासिक बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

ग्यारह पत्रकारों को दिया गया पत्रकारिता प्रगति सम्मान

फिराक गोरखपुरी की जयंती पर कवियों ने किया काव्यपाठ

करछना। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की तहसील इकाई करछना की मासिक बैठक तहसील अध्यक्ष राजेंद्र पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संयोजक डॉक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय एवं साहित्य प्रकोष्ठ के पदाधिकारी डॉ राजेंद्र शुक्ला एवं डॉ वीरेंद्र कुसुमाकर मंचासीन रहे। आयोजन का संचालन राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पवनेश कुमार पवन ने किया।

बैठक का श्री गणेश करते हुए कवि सवरेज अहमद ने राष्ट्र बंदना प्रस्तुत की इसके पश्चात करछना तहसील इकाई के संरक्षक राजेश कुमार यादव ने अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला और कहा कि पत्रकारों की मासिक बैठक से पत्रकारों के अतिरिक्त समाज का भी हित चिंतन होता है हमें प्रतिमाह निश्चित रूप से आपस में मिलजुल कर अपनी समस्याओं का समाधान और परस्पर एक दूसरे का सुख दुख जानने की पहल करनी चाहिए तहसील महामंत्री लालचंद प्रजापति ने आगामी माह की बैठक कौवा बाजार में कराने की घोषणा की और कहा कि पत्रकार हितों की रक्षा के लिए कटिबद्ध भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ को हम सब लोग मिलकर एक नई ऊंचाई प्रदान करेंगे इस महत्वपूर्ण बैठक में सुप्रसिद्ध साहित्यकार रघुपति सहाय फिराक गोरखपुरी की जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उपस्थित कवियों ने काव्य पाठ किया और समस्त पत्रकारों व कवियों को भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा *पत्रकारिता प्रगति सम्मान* से सम्मानित किया गया कवियों ने अपनी रचनाओं में देश प्रेम की भावना जगाई और साहित्यकार फिराक गोरखपुरी के जीवन पर अनेक संस्मरण भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर अरुण कुमार विश्वकर्मा विनोद कुमार अमित कुमार द्विवेदी वेदानंद वेद आदि ने भी अपने विचार रखे अंत में धन्यवाद ज्ञापन उत्कर्ष ने किया।

न्यूज झरोखा

बीआरएस हॉस्पिटल द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य कैंप का हुआ आयोजन

करछना। क्षेत्र के गंधियांव ग्राम स्थित सरस्वती बाल मंदिर जूनियर हाई स्कूल में बाबा राम गरीब दास सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित कोहडार घाट मार्ग पर पेट्रोल पंप के बगल स्थित बी आर एस हॉस्पिटल के सौजन्य से निशुल्क स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया जिसमें डॉ विमलेश कुमार तिवारी एमबीबीएस डीसीएच द्वारा रोगियों का निरीक्षण कर सलाह दी गई साथ में महिला रोग विशेषज्ञ पामेला रोज एवं डाइटिशियन मेधावी शुक्ला नेवी महिलाओं एवं रोगियों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं सलाह दी कैंप में उपस्थित सभी रोगियों को निशुल्क दवाएं भी दी गई साथ ही बीपी शुगर डायबिटीज एवं अन्य सुलभ जांचे भी निशुल्क की गई। इस अवसर पर हॉस्पिटल के कर्मचारी सोनकली सचिन तिवारी अखिलेश यादव एवं राकेश तिवारी का योगदान सराहनीय रहा अंत में विद्यालय के प्रबंधक पवनेश उपाध्याय ने डॉक्टरों की टीम को टाइम का संचालन करने हेतु धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

सामाजिक सेवा संस्थान ने चलाया स्वच्छता अभियान

नैनी। सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान अरैल नैनी प्रयागराज* के सौजन्य से कार्यक्रम अधिकारी *रवि पटेल जी के नेतृत्व में भादो मास के पवित्र महीने में गंगा यमुना के बढ़े हुए जलस्तर के दौरान श्री सोमेश्वर महादेव मंदिर पर स्वच्छता अभियान चलाकर पालीथीन मुक्त जनजागरण अभियान के तहत आम जनमानस को स्वच्छता हेतु जागरूक किया गया। जिसमें प्रबंधक सचिव कुंवर जी तिवारी एवं सक्रिय सदस्य पुष्पेन्द्र जी ने गंगा यमुना तटों एवं मंदिरों पर सदैव स्वच्छता रखने की विनम्र अपील की, साथ ही साथ सार्वजनिक स्थानों एवं पार्कों आदि में भी लोगों के द्वारा गंदगी न करने की अपील करते हुए कहा गया कि जिस तरह से देश के उच्च शहरों में एवं विदेशों में लोग स्वच्छता बनाए रखते हैं,उसी प्रकार से हम सबको भी स्वच्छता के प्रति जागरूक एवं सक्रिय रहना चाहिए।स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में सर्वश्री *संतोष तिवारी, मनीष पांडेय, धीरज यादव, सहदेव चौरसिया, महेश प्रसाद केसरवानी, सुनील कुशवाहा, आत्म प्रकाश यादव, श्याम बिहारी यादव, संदीप सिंह, ज्ञान प्रकाश मिश्रा, प्रवीण तिवारी,ओम प्रकाश श्रीवास्तव, वीरेंद्र प्रताप सिंह, राजकुमार विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, डां संगम लाल विश्वकर्मा, शशांक शुक्ला,अनुज चौरसिया, अनन्या चौरसिया, निर्मल कुशवाहा,तुलसी तिवारी* आदि उपस्थित रहे।

चनेथू डीह प्रजापति बस्ती में सेंध लगाकर चोरी

जंघई। सरायममरेज थानांतर्गत ग्राम सभा चनेथू डीह प्रजापति बस्ती में नन्हे लाल प्रजापति के घर में शनिवार रात को चोरों ने ईंट की दीवार में सेंध लगाकर गहना, पैसा, कपड़े चोरी कर लिया। सुबह होने पर जब परिजनों को जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया पुलिस को सूचना दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया और चली गई ग्रामीणांचल में हो रही चोरी से ग्रामीण दहशत में है। अगले वर्ष मई में नन्हे प्रजापति की छोटी लड़की की शादी होनी है उसी की तैयारी में गहना बनवाया गया था और कपड़ा पैसा रखा गया था लेकिन चोरों ने दोनों बक्सा जिसमें सब सामान कपड़ा, पैसा, गहना रखा था उठा ले गए इससे परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है कि बेटी की शादी अब कैसे होगी।

लोगों ने सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात

सहसों। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं द्वारा मंडल सहसों के शक्ति केंद्र बगाई खुर्द चौराहा पर मंडल महामंत्री सहसों पवन कुमार शुक्ला की अगुवाई में चौपाल लगाकर कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री की मन की बात के 92 वे संस्करण को सुना जिसमें उन्होंने आजादी के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में अमृत महोत्सव का उत्सव मनाते हुए। इस विस्तार पूर्वक चर्चा किए और गांव में अमृत सरोवर के निर्माण के लिए लोगों और कार्यकताओं एवं कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि तालाब अमृत सरोवर जानवरों के प्यास बुझाने के साथ-साथ किसानों के सिंचाई के लिए भी बहुत सुविधा प्रदान करता है और जलीय स्तर को भी सुरक्षित रखने में सहायक होता है इसके साथ ही मछली पालन इत्यादि रोजगार के अवसर भी प्राप्त होता है। कुपोषण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में असम के बोंगाई गांव में एक महत्वपूर्ण परियोजना चल रही है जिसका नाम प्रोजेक्ट संपूर्णा इसके माध्यम से एक किसी आंगनवाड़ी केंद्र के स्वस्थ बच्चे की मां दूसरे कुपोषित बच्चे की मां की सहायता के लिए हफ्ते में एक दिन उसके यहां जाकर उसको सलाह देती है कि किस प्रकार से बच्चे को पोषक आहार या उसका पोषण उसकी देखरेख किस प्रकार से करें कि बच्चा कुपोषण की श्रेणी से निकलकर के स्वस्थ हो जाए। आने वाले वर्ष 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ द मिलेट के रूप में मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने तमाम विकास की योजनाओं पर चर्चा करते हुए आने वाले त्योहारों के लिए देश की सम्मानित महिला एवं पुरुषों को आने वाले गणेश चतुर्थी और हरितालिका तीज और उड़ीसा में नोवाखाई का त्यौहार का शुभकामनाएं देते हुए अपनी बातों को समाप्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से कुशवाहा, उमेश कुशवाहा , राहुल सिंह , धीरेंद्र कुमार कनौजिया , प्रताप बहादुर सिंह , ह्रदेश दूबे , रोहित सिंह , राम चन्द्र , राम कैलाश सरोज , कमला संकर यादव , अवधेश कुशवाहा , प्रमोद मौर्या , प्रवेश मौर्य , डाक्टर राजेन्द्र वर्मा , कृष्ण कुमार चौरसिया , बजरंग बहादुर सिंह आदि उपस्थित रहे। ईसी प्रकार गंगापार के पच्चीस मण्डल अन्तर्गत 377 शक्ति केन्द्रो पर सुना गया प्रधानमंत्री की मन की बात को दुवार्सा धाम के कनिहार शक्तिकेन्द्र पर फूलपुर लोकसभा सांसद ने बूथ कमेटी सहित गांव के जनमानस संघ प्रधानमंत्री जी के मन की बात को सुना। नवनिर्वाचित विधान परिषद सदस्य निर्मला पासवान ने नबाबगंज मंण्डल के शक्ति केन्द्र पर मन की बात को सुना। जिला अध्यक्ष गंगापार अश्विनी कुमार द्विवेदी ने दुवावल शक्तिकेन्द्र पर जाकर मन की बात को सुना। उमरी शक्ति केन्द्र पर जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह पटेल की मौजूदगी में ग्रामीणों ने मन की बात सुनी। जिला महामंत्री कविता पटेल, किरन त्रिवेदी,अनुसूचित मोर्चा जिला अध्यक्ष आशीष भारतीया सहित मन की बात जिला सह संयोजक एंव जिले के मिडिया प्रभारी बृजेश कुमार त्रिपाठी ने मन की बात सुना। तथा विधायक प्रवीण पटेल, सदस्य विधान परिषद निर्मला पासवान, सुरेंद्र चौधरी, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमर नाथ यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष अमरनाथ तिवारी, ब्लाक प्रमुख फूलपुर विपेन्द्र सिंह पटेल, ब्लॉक प्रमुख बहादुरपुर अरुणेंद्र यादव डब्बू , कन्हैया लाल पाण्डेय, ब्लाक प्रमुख बहरिया योगेश पाण्डेय,सांसद प्रतिनिधि उमेश तिवारी आदि ने मन की बात को सूना। इसी क्रम में खोदायपुर शक्ति केंद्र प्रभारी एवं जिला संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ भाजपा रमेश कुमार द्विवेदी की मौजूदगी में उपस्थित ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री की मन की बात को सुना और सराहा। मौके पर प्रमुख रूप से रमेश पटेल, हीरालाल गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, कृष्ण कुमार , संदीप प्रजापति, अनुराग सिंह , शिवम सिंह , गुड्डू सहित आदि ग्रामीणों ने उपस्थित होकर ध्यान से मन की बात सुने।

पांच महीने में नहीं बन सकी 1.6 किमी सीसी रोड

नाली, पटरी के साथ-साथ रोड का भी निर्माण अधूरा, निर्माण अधूरा छोड़े जाने से कस्बावासियों में आक्रोश

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। विकास खंड शंकरगढ़ के रानीगंज तिराहा से नगर पंचायत शंकरगढ़ को जोड़ने वाले मार्ग का निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाले मार्ग का निर्माण कार्य पूरा न कराने से स्थानीय लोगों को आवागमन में खासी मुश्किलों का सामने करना पड़ रहा है। इस वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं, जिससे लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

बताते चलें कि लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड- 3 द्वारा 1.6 करोड़ की लागत से रानीगंज तिराहा से नगर पंचायत शंकरगढ़ को जोड़ने वाले मार्ग पर लगभग 1.6 किलोमीटर सीसी रोड, दोनों तरफ नाली व पटरी के निर्माण को मंजूरी प्रदान की गई थी। मार्च-अप्रैल 2022 के महीने में निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया था। उसके बाद जून में ठेकेदार ने आधा-अधूरा कार्य कराकर काम बंद कर दिया। पटरी का कार्य प्रारंभ ही नहीं किया गया और नाली निर्माण भी आधी-अधूरी पड़ी हुई है, जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ राहगीरों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। सीसी सड़क, नाली व पटरी का निर्माण अधूरा छोड़े जाने की शिकायत स्थानीय लोगों द्वारा जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से भी की गई है। वहीं एक माह पूर्व भाजपा के जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने भी उपमुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अधूरे कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराने का आग्रह किया है। लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता राजीव कुमार ने बताया कि अभी बजट का अभाव है। जैसे ही बजट प्राप्त होता है, कार्य को पूरा करवा दिया जाएगा।

दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा जंघई बाजार का यह गड्ढा

जंघई। जंघई हंडिया रोड पर पुरानी पुलिस चौकी जंघई से आगे जंघई स्टेशन की तरफ जाने वाली सड़क के बीचों बीच गड्ढा हो गया है जिससे आवागमन बाधित हो रहा है प्रतिदिन सायकिल एवं बाइक सवार गिरकर चुटहिल हो रहे हैं।वाहन की गति अधिक होने पर लोग गड्ढे में गिर पड़ते हैं रोज आने जाने वाले लोगों को अधिक परेशानी हो रही है लेकिन महिनों से इस गड्ढे की मरम्मत नहीं हो रही है जंघई बाजार के निवासियों एवं राहगीरों ने प्रशासन से मांग किया है कि कोई गंभीर दुर्घटना हो इसके पहले इस गड्ढे की मरम्मत हो जाए तो अच्छा होगा।

सड़क की पटरियों पर कंटीली झाड़ियां मौत को दे रही दावत, विभाग मौन!

रत्योरा। तहसील क्षेत्र कोरांव के कोरांव नारीबारी मार्ग पर दोनों तरफ पटरिया पर कटीली झाड़ियां मौत को दावत दे रही हैं किंतु लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अंजान बना हुआ है। सरकार के द्वारा भले ही रोड के पटरियों के साफ सफाई के लिए लाखों रुपए पानी की तरह बाहर जा रहा हो किंन्तु जिम्मेदार खाऊं कमाऊं के चक्कर से बाज नहीं आ रहे है।लेडियारी से नारीबारी रोड पर राहगीरों व बाइक सवारों को बड़ी गाड़ियों से पास देने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जोकि आए दिन कटीली झाड़ियों को बचते हुए भी शिकार हो जाते हैं ।रोड पर दोनों तरफ पटेरिया कटीली झाड़ियों तथा बड़ी-बड़ी घासो से पटी पड़ी हैं। दो पहिया वाहन वालो बड़ी गाड़ियों को पास देते हुए इन कटीली झाड़ियों से शिकार होकर चुटहिल हो जाते हैं। हर वर्ष बरसात का मौसम आने पर इन झाड़ियों की सफाई कराई जाती थी परंतु इस बार लोक निर्माण विभाग जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे बैठा है। जिससे आए दिन दो पहिया वाहन सवार गिर कर चुटहिल होते हैं। किंतु जिम्मेदार अधिकारी कुंभकर्णी नींद में सो रहा है। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी प्रयागराज से ध्यान आकर्षित कराते हुए रोड की पटरियों पर साफ सफाई की कराने की मांग की जिससे दुर्घटनाओं से लोग बच सकें।

36 शीशी अवैध शराब बरामद एक अभियुक्त गिरफ्तार

सिरसा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र में मेजा पुलिस ने अवैध शराब के साथ एक को गिरफ्तार किया है। तीन दर्जन अवैध शराब के 36 शीशी शराब बरामद किया गया है। बता दें कि शनिवार को थाना प्रभारी मेजा धीरेन्द्र सिंह के नेतृत्व मे चौकी प्रभारी जेवनिया प्रदीप अस्थाना ने थाना क्षेत्र के तंदरिया गांव से शराब बेच रहे बृजलाल पुत्र सूर्य दीन को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए बृजलाल के कब्जे से अवैध 36 शीशी शराब बरामद किया गया और अगली कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया।

मोहल्ले के मोहल्ले हो गए जलमग्न, अपने ही शहर में बन गए शरणार्थी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। खतरे के निशान के ऊपर बह रही गंगा और यमुना ने इस बार जिले में ऐसी तबाही मचाई है कि लोगों को वर्ष 1978 एवं 2013 में आई बाढ़ याद आने लगी है। शहर के निचले एवं नदियों के आसपास वाले गांवों की स्थिति कुछ ज्यादा ही विकट है। तमाम इलाके पानी से लबालब है। ज्यादातर मकानों का एक तल पानी में डूब गया है। तमाम लोगों की नजर में पानी अब उनका दुश्मन हो चुका है। हजारों की संख्या में प्रभावित लोगों ने अपने रिश्तेदारों, परिचितों के यहां पनाह ले ली है। अपने ही शहर में सैकड़ों की संख्या बाढ़ प्रभावित लोग शरणार्थी बन शिविरों में रह रहने के लिए मजबूर हो गए हैं। प्रयागराज में शुक्रवार 26 अगस्त से ही गंगा और यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। रविवार तक दोनों ही नदियां खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर हो गई। इसका असर शहर के तमाम मोहल्लों में पड़ा है। शहर के जोंधवल, अशोक नगर, राजापुर, बेली, मेंहदौरी, गोविंदपुर, गंगानगर , सलोरी, छोटा बघाड़ा, म्योराबाद, गौसनगर, करेलाबाग आदि इलाकों में बाढ़ के पानी ने हजारों की संख्या में लोगों को नुकसान पहुंचाया है। गंगा-यमुना के लगातार बढ़ने से भयभीत काफी लोगों ने रविवार को अपने जरूरी सामान समेट सुरक्षित ठिकानों की ओर चल दिए। कमर भर पानी में लोग सिर पर अपने जरूरी सामान लादकर सुरक्षित स्थानों की ओर देर शाम तक पलायन करते रहे। आज छोटा बघाड़ा क्षेत्र के काफी अंदर तक बाढ़ का पानी घुस गया। इसी तरह ककराहा घाट, बरगद घाट में भी यमुना का पानी काफी ऊपर चढ़ गया। सदियापुर में ससुर खदेरी नदी में पानी कुछ इस कदर बढ़ा कि लोग अपने घरों से जरूरी सामान भी नहीं समेट सके।

प्रभावित इलाकों में नहीं पहुंच रही नाव : जिला प्रशासन जहां एक ओर दावा कर रहा है कि प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर इन इलाकों में बमुश्किल ही नावें पहुंच पा रही हैं। गऊ घाट की ही बात करें तो वहां प्रशासनिक मदद न मिलने से बाढ़ प्रभावित इलाके में घिरे लोग खासे निराश है। वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक आंकड़ों पर गौर करें तो शहर के दारागंज, बक्शी उपरहार, बघाड़ा, चांदपुर सलोरी, मेंहदौरी, बेली उपरहार, राजापुर देहमाफी, कसारी मसारी, करेलाबाग आदि मोहल्लों में 131 नावें लगाई गईं हैं। इसी तरह फूलपुर तहसील क्षेत्र में 81, मेजा में सात, करछना में 23, बारा में तीन, हंडिया में पांच एवं सोरांव विधानसभा में बाढ़ प्रभावित इलाकों में 19 नाव लगाई गई है।

2013 के आंकड़े के करीब पहुंची गंगा-यमुना : जिले में 2013 में गंगा और यमुना का जलस्तर 85 मीटर के पार हुआ था। 2019 में भी गंगा और यमुना ने 85 मीटर के आंकड़े को पार किया था, लेकिन इस बार दोनों ही नदियों का जलस्तर नौ वर्ष के बाद एक बार फिर से 86 मीटर के करीब पहुंच चुका है। रविवार की रात आठ बजे फाफामऊ में गंगा 85.83 मीटर, छतनाग में 85.05 एवं नैनी में यमुना का जलस्तर 85.83 मीटर पर रहा। फिलहाल राहत वाली बात अभी सिर्फ इतनी ही है कि रविवार की शाम छह बजे से छतनाग में गंगा का जलस्तर स्थिर हो गया। गंगा और यमुना के जलस्तर में जहां पहले पांच से छह सेंटीमीटर प्रतिघंटे की वृद्धि हो रही थी तो वहीं रात तक यह वृद्धि एक सेमी प्रतिघंटे की रही। प्रशासन का मानना है कि दोनों नदियों के जलस्तर में अब स्थिरता आ सकती है। इसके बाद पानी का घटने का क्रम जारी हो सकता है।

शिविरों में पहुंचे 6512 लोग, 40 मोहल्ला और 132 गांव घिरे हैं बाढ़ के पानी से : प्रशासन की ओर से बनाए राहत शिविरों में रविवार को भी काफी संख्या में लोग पहुंचे। शहर में बनाए गए 17 शिविरों में रविवार की शाम तक 5682 लोगों ने शरण ले रखी थी, जबकि सोरांव तहसील के तीन शिविर में 570 और बारा तहसील के एक शिविर में 300 लोग रविवार की शाम तक पहुंच चुके थे। इस तरह से शिविर में रह रहे कुल लोगों की संख्या रविवार की शाम तक 6512 हो चुकी थी। इसमें कुल परिवार की संख्या 1401 है, जबकि शहर में लगे शिविरों में रह रहे कुल परिवार 1281 हैं। वहीं बाढ़ के पानी से शहर के 40 मोहल्ले और जिले के 132 गांव घिरे हुए हैं। जिले भर में 40 हजार परिवार के बेघर होने का भी अनुमान लगाया जा रहा है। सूबे के सबसे ज्यादा आबादी वाले जिले प्रयागराज में तकरीबन साढ़े तीन लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

हे भगवान दिलाओ मुक्ति, अब जाना है अपने घर : जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत शिविरों में सैकड़ों की संख्या में लोग रह तो रहे हैं लेकिन बाढ़ के पानी से घिरे अपने घरों की चिंता उन्हें काफी सता रही है। वाईएमसीए शिविर में पत्नी एवं बच्चों के साथ रह रहे गंगानगर निवासी संतोष कुमार ने बताया कि भगवान से दिन भर यही प्रार्थना की जा रही है कि अब बाढ़ का पानी घटे ताकि खानाबदोशों की तरह हम जो जिंदगी जा रहे हैं उससे निजात मिले। इसी तरह शिविर में पहुंचे प्रियांशु कुमार ने बताया कि शनिवार को उनके घर में घुटना भर पानी भर गया था। तभी घर छोड़ने का निर्णय लिया। अब घर के चार सदस्यों के साथ शिविर में ही पनाह ले रखी है। जालौन निवासी राम प्रसाद जो राजापुर में एक किराये के मकान में रहते हैं कि उन्होंने बताया कि वह पहली बार किसी राहत शिविर में पहुंचे हैं। राम प्रसाद ने बताया कि उन्हें सुबह से ही बुखार है। हालांकि उन्होंने दवा शिविर की बजाय बाहर से ही ली है। ऋषिकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए राहत शिविर में नेवादा निवासी अन्नू कुमार ने बताया कि रात भर वह और उनके भाई घर पर ही रहते हैं। मकान के पहले तल पर ही वह रहते हैं। परिवार की बाकी सदस्य शिविर में ही हैं। उनसे मिलने के लिए ही वह दिन में आते हैं। शाम होते ही भाई के लिए भोजन आदि लेकर वापस बाढ़ से घिरे अपने घर पर वे पहुंच जाते हैं। वहीं एनी बेसेंट स्कूल में रह रहे संजय ने कहा कि घर में चोरी न हो इस वजह से छोटा बघाड़ा स्थित उनके घर में छोटा भाई ही रह रहा है। उसे भोजन और पानी देने के लिए वह नाव की मदद से वहां तक पहुंचते हैं। कहा कि अभी पता नहीं यहां कितने दिन और रहना पड़े। सरकार बख्शी बांध का विस्तार कर हजारों की आबादी वाले इस क्षेत्र को सुरक्षित करे।

डीएम ने बाढ़ राहत शिविरों का भम्रण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अखंड भारत संदेश

डीएम ने दिये बाढ़ राहत शिविरों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें बनाये रखने के दिये निर्देश, कहा लापरवाही, उदासीनता बरतने वाले या शिकायत पर सम्बन्धित के विरूद्ध होगी कड़ी कार्यवाही

बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण करते जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री रविवार को बाढ राहत केन्द्रो का भ्रमण कर व्यवस्थाओ का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने कैंटोमेंट मैरिज हॉल, सदर बाजार कैंट हाईस्कूल,ऐनी बेसेंट गर्ल्स इण्टर कालेज छोटा बघाड़ा बाढ़ राहत केन्द्र, आईपीईएम इण्टरनेशनल स्कूल एण्ड कालेज सहित अन्य बाढ़ राहत केन्द्रो का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने बाढ़ राहत शिविरो में रह रहे लोगो से व्यवस्थाओ के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बाढ़ राहत शिविर प्रभारियो को बाढ़ राहत शिविरों में रह रहे लोगो के लिए समय से खाना, पीने योग्य पानी, चाय, नाश्ता, बच्चो के लिए दूध की पर्याप्त व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने नगर निगम को बाढ़ राहत शिविरो में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाये रखने के साथ-साथ पानी के टैंकर की भी व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने स्वास्थ विभाग की टीम को प्रतिदिन बाढ़ राहत शिविरो में रह रहे लोगो का स्वास्थ परीक्षण करने के साथ ही साथ दवाओ की पर्याप्त उपलब्धता बनाये रखने का निर्देश दिया है जिलाधिकारी ने बाढ़ राहत शिविरो में प्रतिदिन फागिगं कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने विद्युत विभाग को बाढ़ राहत शिविरो में विद्युत की समुचित आपूर्ति बनाये रखने के साथ-साथ प्रकाश के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। बाढ़ राहत शिविरो में पुलिस की भी तैनाती सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि बाढ़ राहत शिविरो में सभी आवश्यक व्यवस्थाये पूर्ण रूप से सुनिश्चित रहे, किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए, उन्होंने कहा है कि इसमे लापरवाही, उदासीनता पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर एसपी सिटी एवं उप जिलाधिकारी सदर युवराज सिंह, अपर नगर आयुक्त अरविन्द राय सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मुख्य न्यायाधीश के आश्वासन पर अधिवक्ताओं की हड़ताल स्थगित

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट के अधिवक्ताओं की न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय फिलहाल स्थगित हो गया है। सोमवार से हाईकोर्ट में अधिवक्ता पहले की तरह काम करेंगे। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने यह निर्णय मुख्य न्यायमूर्ति के आश्वासन पर लिया है।इसके पूर्व अधिवक्ताओं ने बुधवार से ही से ही न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया था। तबसे अधिवक्ता लगातार हड़ताल पर हैं और वह काम काज नहीं कर रहे हैं। उनकी मांग है कि हाईकोर्ट की कंप्यूटर कमेटी के सुझावों की व्यवस्था और लिस्टिंग की व्यवस्था सहित वादों से संबंधित मामलों में व्यवस्था में सुधार लाए। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से इस संबंध में कई बार मुख्य न्यायमूर्ति को ज्ञापन भी सौंपा गया।समस्या का हल ना होने पर अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया था। रविवार को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन पदाधिकारियों को इस संबंध में एक बैठक भी बुलाई। जिसमें, मुख्य न्यायमूर्ति के आश्वासन पर न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय को वापस लेने का आग्रह करने और व्यवस्था में सुधार का आश्वासन देने के मामले पर चर्चा हुई इसके बाद बार एसोसिएशन 15 दिनों के लिए अपने न्यायिक कार्य से विरत रहने के निर्णय को स्थगित कर दिया। महासचिव सत्य धीर सिंह जादौन ने कहा की सोमवार से न्यायिक कार्य किया जाएगा।

दाखिला सिस्टम बदला, लापरवाही की जवाबदेही होगी तय

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में केस दाखिले व लिस्टिंग में आ रही दिक्कतों पर अधिवक्ताओं के विरोध को देखते हुए मुख्य न्यायमूर्ति ने व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सिस्टम में कुछ सुधार किए हैं और उन पर कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट की कंप्यूटर कमेटी के सुझावों पर मुख्य न्यायमूर्ति ने मुकदमों की स्टैंप रिपोर्टिंग व दाखिले की समयबद्ध दिशा निर्देश जारी कर अधिवक्ताओं की नाराजगी को कम करने की कोशिश की है। कमेटी के सुझावों को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। महानिबंधक आशीष गर्ग द्वारा जारी परिपत्र में साफ तौर पर कहा गया है कि इसका कड़ाई से पालन किया जाए। अनुपालन में लापरवाही होती है तो अनुभाग अधिकारी की जवाबदेही होगी।और इसके लिए जिम्मेदार स्टाफ पर कार्रवाई की जाएगी मुकदमों के दाखिले व सूचना तकनीकी की व्यवस्था ध्वस्त होने के विरोध में अधिवक्ता आंदोलित हैं। मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल ने समय मांगा था।जिसकी कड़ी में कमेटी के सुझाव पर कड़ाई से अमल करने का आदेश जारी किया गया है। हाईकोर्ट द्वारा जारी परिपत्र में कहा गया है कि जैसे ही केस कार्यालय में पेश होगी फाइल प्राप्त करने वाला स्टाफ तत्काल तिथि,समय वह डायरी, फाइलिंग नंबर दर्ज करेगा। सीआईएस इंट्री के बाद फाइल स्टैंप रिपोर्टिंग के लिए अग्रसारित कर दी जाएगी।स्टैंप रिपोर्टर भी तिथि समय दर्ज करेगा और दूसरे कार्य दिवस तक रिपोर्ट करेगा। रिपोर्टिंग प्राप्ति क्रम से की जाएगी। जिसमें डिफेक्ट है, उसे अलग कर लिया जाएगा। जिसकी सूचना वेबसाइट पर शाम को प्रतिदिन अपलोड होगी।

बाढ़ : न्यूज झरोखा

गंगा किनारे बने बांध मे स्नान के दौरान किशोर डूब, हड़कंप

मेजा रोड। मेजा थाना के अंतर्गत मदरा मुकुंदपुर गंगा किनारे बने बांध मे स्नान के दौरान एक किशोर के डूब जाने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची इलाकाई पुलिस स्थानीय गोताखोरों की मदद से किशोर की तलाश में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के मदरा मुकुंदपुर गांव निवासी राम मिलन यादव का बेटा आकाश कुमार यादव (16) रविवार को यानि आज दोपहर गांव के गंगा किनारे बने बांध मे स्नान करने गया था। स्नान के दौरान अचानक वह गहरे पानी में समा गया, जिससे हड़कंप मच गया। सूचना पर जेवनिया पुलिस चौकी इंचार्ज प्रदीप अस्थाना ने पहुंचकर क्षेत्रीय गोताखोरों की मदद से किशोर को ढूंढने के प्रयास में लगे हुए हैं। वहीं किशोर के डूब जाने से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

टापू पर बसे जनवार गांव का भी संपर्क टूटा

मेजा रोड। टौंस नदी के रौद्र रूप का कहर लगातार जारी है। खतरे के निशान से ऊपर बह रही गंगा यमुना के साथ टौंस नदी भी विकराल रूप ले रखा है। तटीय इलाके जहां पूरी तरीके से जलमग्न हो गए जिधर भी नजर दौड़ाई जाए हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा। वहीं क्षेत्र में कुछ ऐसे भी स्थान है जिनका संपर्क अब टूटने की कगार पर है। क्षेत्र का जनवार गांव टापू पर बसा है हर साल बाढ़ की भेंट चढ़ता था जिसके चलते लोग नाव से आवागमन करते थे लोगों की समस्याओं को देख पूर्व विधायक नीलम करवरिया की संस्तुति पर छोटे पुल का निर्माण कराया गया जिससे कि लोगों का आवागमन बाढ़ के समय में अवरूद्ध न होने न होने पाएं और सुचारू रूप से चलता रहे। लेकिन कुदरत के कहर के आगे किसकी चलती है तेजी से बढ़ते नदी के जलस्तर ने पुल को भी अपनी आगोश में लिया और पुल डूब गया जिसके कारण लोगों का आवागमन ठप होने की कगार पर पहुंच गया। जबकि लोगों को उम्मीद थी कि अब शायद उनकी समस्याएं दूर हो गई है लेकिन बाढ़ के कहर के आगे न जाने कितने ऐसे बड़े बड़े पुल हैं जो बाढ़ में समाहित हो गये हैं इस छोटे से पुल से कितनी उम्मीदें रखी जा सकती है।

तराई वाले गांवों से 300 से ज्यादा लोग कर चुके हैं पलायन

करछना। गंगा एवं टोंस नदी के जलस्तर में वृद्धि होने के कारण अब लोगों के लिए मुसीबत साबित होने लगी है। करछना क्षेत्र में गंगा व टोंस नदी उफान पर बह रही है। ज्यादातर तटीय इलाके में बसे ग्रामीणों के घरों में बाढ़ का पानी भर गया है। जिसमें क्षेत्र के बबुरा, कटका, लटकहां, मनैया, हथसरा,पनासा,डीहा, गांव के रहने वाले 3 सौ से अधिक ग्रामीण प्रभावित हुए हैं । त्रासदी के बवंडर में फंसे ग्रामीण अब दैनिक उपयोगी वस्तुओं को लेकर घरों से पलायन कर ऊंचे सुरक्षित स्थान पर जाने को मजबूर हैं। रविवार को कटका डेरा, मेडरा के मौजा पूरा गांव के रहने वाले दर्जन भर ग्रामीण अनाज, लकड़ी, आटा, बिस्तर सहित दिनचर्या उपयोगी वस्तुओं को समेट कर ऊंचे स्थान पर विस्थापित हो गए। कटका ग्राम प्रधान पवन निषाद ने बताया कि अभी तक शासन प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान तक ले जाने के लिए किसी भी प्रकार की व्यवस्था नहीं कराई गई है। जिससे स्वयं के सहयोग से उनके खाने-पीने के सामान के साथ पंचायत भवन में रहने की व्यवस्था करा दी गई है।

उल्टा किला के पास सैकड़ो घर टापू में हुए तब्दील

झूंसी। हवेलिया स्थित लक्कड़ बाबा मंदिर उल्टा किला के पास बाढ़ का पानी पहुचने से सैकड़ो घर टापू में तब्दील हो गए है। प्रसाशन की ओर से उनके आने जाने के लिए नाव लगाई गई है। गंगा तट पर स्थित आश्रम में पानी भरने से साधु संतों को मुशीबत झेलनी पड़ रही है। गंगा जमुना की बाढ़ में कमी जरूर आई है मगर मुसीबत थमने का नाम नहीं ले रही है। झूंसी के टीकर माफी आश्रम, क्रिया योग आश्रम, त्रिवेणी आश्रम में बाढ़ का पानी भर गया है। जिससे साधु संतों को मुशीबत का सामना करना पड़ रहा है। आश्रम में हर तरफ तरफ गन्दगी फैली है। अब तक प्रशासनिक अमला साधु संन्यासियों का हाल जानने नहीं पहुंचा इसकी वजह से साधु संन्यासियों में आक्रोश है। संघ कार्यालय व उसके पास स्थित बस्ती में में पानी भर गया है। रविवार को संघ कार्यालय के पास से बाढ़ प्रभावित बस्तियों की लाइट भी काट दी गई।

पुराने पुल के नीचे बांध रोड की पुलिया कटान से धंसी

नैनी। क्षेत्र के पुराने व नए यमुनापुल के बीच बांध रोड पर बनी पुलिया की सड़क कटान की वजह से धस गई सड़क का आधा हिस्सा बाढ़ के पानी में समा गया बची हुई सड़क के नीचे से मिट्टी गायब हो गई सिर्फ डामर और गिट्टी की चादर बची है जो कभी भी गिर सकती है जानकारी होने पर शनिवार को एसडीएम करछना पीडब्ल्यूडी के अधिकारी सिंचाई विभाग के लोग मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया नैनी पुलिस ने सड़क के दोनों और जेसीबी के माध्यम से बुलडोजर गिरवा कर बैरिकेडिंग कर दी जिससे कोई हादसा ना हो वहीं कटान को रोकने के लिए शाम को नाविकों की मदद से उस में बरसाती पानी लगवाई गई कटान नहीं रोका गया तो बांध में आ जाएगी दरार तेजी से रही कटान को संबंधित विभाग ने अगर समय रहते नहीं रोका तो बांध रोड की मिट्टी एक ओर से दोनों और तक कटान से हट जाएगी जिससे बंद को खतरा हो जाएगा वही बांध टूटने से पूरा पानी फुल मंडी और भट्टा गांव सहित गंजिया खरकौनी को अपनी जद में ले लेगा।

अब नए सत्र के लिए शुरू होंगे पीएचडी प्रवेश, तैयारी में जुटा विवि प्रशासन

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में सत्र 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया अब पूरी होने जा रही है। पीएचडी का सत्र एक वर्ष पिछड़ चुका है। इविवि प्रशासन अब नए सत्र 2022-23 के तहत पीएचडी प्रवेश की तैयारी में जुटने जा रहा है। इविवि में अब तक सत्र 2022-23 की पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए थी, लेकिन कोविड के कारण सत्र एक वर्ष पिछड़ा गया और नतीजा कि अभी सत्र 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। इस सत्र की प्रवेश प्रक्रिया अंतिम दौर में है। संयुक्त शोध प्रवेश परीक्षा (क्रेट) लेवल-1 के परिणाम जारी कर विभागों को भेजे जा चुके हैं और विभागों ने क्रेट लेवल-2 के तहत इंटरव्यू की प्रक्रिया शुरू की है। सत्र 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही इविवि प्रशासन मौजूदा सत्र 2022-23 के लिए पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर सकेगा। सत्र 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद विभागों से रिक्त सीटों का ब्योरा मांगा जाएगा और इसी आधार पर विज्ञापन जारी किया जाएगा। इविवि में बड़ी संख्या में नए शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। ऐसे में पीएचडी की सीटों की संख्या बढ़नी भी तय है।इविवि में पिछले कुछ महीनों में 100 से अधिक शिक्षकों की भर्ती हुई है, जिनमें असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर शामिल हैं। एक समय में एक शिक्षक को अधिकतम दो विद्यार्थी शोध के लिए मिल सकते हैं। ऐसे में सत्र 2022-23 में पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होने पर दो सौ से अधिक पीएचडी की नई सीटें शामिल की जा सकती हैं।उधर, छात्र भी लगातार मांग कर रहें हैं कि सत्र 2022-23 के लिए पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाए। हालांकि, नए सत्र के लिए प्रवेश की प्रक्रिया तभी शुरू हो सकती है, जब 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। सत्र 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया अंतिम दौर में है। प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी विभागों में पीएचडी की रिक्त सीटों की गणना की जाएगी और फिर सत्र 2022-23 की प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी।

जीवनदीप हॉस्पिटल में निशुल्क 150 मरीजों का किया गया परीक्षण ,दी गई दवाएं

करछना। संगम समाज सेवा समिति के तत्वाधान में जीवनदीप हॉस्पिटल रामपुर करछना में डॉ राघवेन्द्र शर्मा एमडी फिजीशियन के द्वारा करीब 150 मरीजों का निशुल्क परीक्षण किया गया और दवा वितरण किया गया संगम समाज सेवा समिति के प्रबंधक गुलाम मुस्तफा ने कहा कि आने वाले समय में इसी तरह के स्वास्थ्य निशुल्क कैंप लगते रहेंगे जिससे क्षेत्रवासियों को लाभ मिलेगा इस मौके पर पैथोलॉजी अल्ट्रासाउंड एक्सरे ईसीजी आज में 50 परसेंट की छूट थी इस मौके पर डॉक्टर अर्जुन सिंह बृजेश कुमार यादव मनजीत पटेल पटेल फैशल आदि लोग मौजूद थे।

नहीं पता ! कितना बढ़ेगा गंगा-यमुना का जलस्तर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गंगा-यमुना में अलग-अलग बैराजों से लाखों क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। बैराजों से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने का असर प्रयागराज में दिखाई पड़ रहा है। गंगा-यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कहा जा रहा है कि अभी जलस्तर और बढ़ेगा। धौलपुर से 25 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने का असर प्रयागराज में होगा, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि कितना पानी बढ़ेगा।

प्रयागराज में पहली बार ऐसा हो रहा है कि बाढ़ को लेकर सटीक जानकारी नहीं हो पा रही है। गंगा-यमुना का जलस्तर किस लेवल तक जाएगा, यह आकलन नहीं हो पा रहा है। यह स्थिति शुरू से है। जब गंगा-यमुना का जलस्तर खतरे के निशान (84.73 मीटर) पहुंचने वाला था, तब भी 84 मीटर तक जलस्तर पहुंचने के कयास लगा रहे थे। धौलपुर से आ रहे 25 लाख क्यूसेक पानी को लेकर भी सही आकलन नहीं हो पा रहा है। 2013 की बाढ़ में भी ऐसी ही स्थिति थी। उस समय भी सिंचाई विभाग सही आकलन नहीं कर पाया और शहर में स्थिति भयावह हो गई। इससे पहले ऐसा नहीं होता था। सही आकलन नहीं होने से गंगा-यमुना और ससुर खदेरी नदी किनारे बाढ़ पीड़ित उहापोह में हैं। बाढ़ पीड़ितों का कहना है कि इससे पहले संभावित बाढ़ का जलस्तर पता चल जाता था। गंगा-यमुना के खतरे का निशान पार करने की जानकारी पहले मिल जाती थी। इस बार कुछ नहीं बताया गया। जबकि गंगा-यमुना में छोड़े जाने वाले पानी को लेकर आम लोग जलस्तर का अनुमान लगा ले रहे हैं। सिंचाई विभाग के इंजीनियरों का कहना है कि इस बार बैराजों से पानी छोड़े जाने की स्थिति कुछ ऐसी है कि सटीक भविष्यवाणी नहीं की जा सकती।

वॉलीबाल प्रतियोगिता पर अग्रवाल कॉलेज का कब्जा

जूनियर बालक (अंडर-18) वॉलीबाल प्रतियोगिता संपन्न, फाइनल मुकाबले में शुक्लपुर इंटर कॉलेज की टीम को हराकर जीती चल बैजयंती शील्ड

मेजारोड़। जिला बालीवाल एसोसिएशन,प्रयागराज के तत्वाधान में एल.एम.पब्लिक स्कूल के खेल मैदान पर खेले गए जूनियर (अंडर-18) बालक डिवीजन की जिला वालीबॉल लीग प्रतियोगिता लाला रामलाल अग्रवाल इंटर कॉलेज,सिरसा की टीम के नाम रही। फाइनल मुकाबले में लाला रामलाल अग्रवाल इंटर कॉलेज,सिरसा की टीम ने लगातार सीधे दोनों सेटों में शुक्लपुर इंटर कॉलेज शुक्लपुर की टीम को 25 - 18 और 25 - 21 अंकों से हराकर प्रतियोगिता की ट्रॉफी पर अपना कब्जा किया। इसके पूर्व खेले गए प्रतियोगिता के प्रथम सेमीफाइनल मैच में शुक्लपुर इंटर कॉलेज शुक्लपुर ने भगवानदीन इंटर कॉलेज शंभूचक,मिश्रपुर को 25 - 20 और 25 - 23 अंकों से हराकर तथा दूसरे सेमीफाइनल के मैच में लाला रामलाल अग्रवाल इंटर कॉलेज,सिरसा की टीम ने सरदार राज नारायण इंटर कॉलेज,रामनगर की टीम को 25 - 13 और 25 - 16 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। प्रतियोगिता के खेले गए अन्य लीग मैचों में अग्रवाल इंटर कॉलेज सिरसा ने मंगला प्रसाद इंटर कॉलेज बामपुर,मांडा की टीम को 25 - 13 और 25 - 16 अंकों से, राम प्रताप इंटर कॉलेज सिरसा ने बीएनटी कॉलेज मेजारोड को 25 - 14 और 25 - 18 अंको से, जिला पंचायत इंटर कॉलेज औता ने सत्य नारायण इंटर कॉलेज उरुवा को 25 - 11 और 25 - 15 अंकों से, बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज रामपुर,करछना ने राज नारायण इंटर कॉलेज की टीम को 25 - 17 और 25 - 19 अंकों से, नंद किशोर इंटर कॉलेज ने सर्वोदय शिक्षा सदन इंटर कॉलेज भीरपुर को 25 - 18 और 25 - 22 अंकों से, श्री कृष्ण इंटर कॉलेज अमिलो,करछना ने काशी प्रसाद इंटर कॉलेज कठौली,मेजारोड़ को 25 - 20 और 25 - 17 अंकों से हराया था। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह पूर्व प्रधानाचार्य श्री विजय शंकर तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष वाई.एन.सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के पश्चात विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्राफी प्रदान की और उन्हें अच्छे प्रदर्शन की सीख दी। विजेता टीम के खिलाड़ी हरिओम मिश्रा को बेस्ट अटैकर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन,प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने प्रतियोगिता को संपन्न कराने के लिए मेजबान विद्यालय के प्रबंधक व आयोजन समिति के समस्त सदस्यों तथा प्रतियोगिता में पधारें समस्त अतिथियों एवं समस्त खिलाड़ियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उक्त अवसर पर के.बी.एल.श्रीवास्तव, कुशलकांत मिश्रा, के.पी.सिंह, प्रभाकर चौबे, ठाकुर प्रसाद यादव, मुकेश शुक्ला, अंशु सिंह, गजराज यादव, असफाक अहमद, ललीत कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

बजरंगी के घर सेमरहा पहुंची राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की टीम दी राहत सामग्री

करछना। बीते 1 अगस्त करछना क्षेत्र के सेमरहा गांव के रहने वाले बजरंगी यादव ने बेटे शुभम की करंट लगने से मौत हो गई थी। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया था। लेकिन अगले दिन 2 अगस्त को एंबुलेंस न मिल पाने की वजह से बेबस व लाचार बजरंगी यादव ने बेटे के शव को कंधे पर लादकर 35 किलोमीटर पैदल ही सफर तयकर घर पहुंचा था । घटना का वीडियो वायरल होने पर हड़कंप मच गया था। वहीं रविवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार क्राइम कंट्रोल ब्यूरो की टीम डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट खालिद समदानी के नेतृत्व में सेमरहा गांव में पहुंचकर पीड़ित परिजनों से मुलाकात की । जिसके बाद साथ लाए हुए विभिन्न प्रकार के आवश्यक सामग्री बजरंगी यादव को भेंट कर आगे भी मदद करने का आश्वासन दिया । जिस मौके पर फैजान रजा, आर के पांडे, साहिबा खान, यश गुप्ता, शमशाद अहमद, राज हेमांशु सागर, नदीम अंसारी, अभिषेक गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

मठ-मंदिरों को छोड़कर हिंदू समाज को धर्म, संस्कृति के लिए जागृत करें संत

प्रयागराज। विश्व हिंदू परिषद मार्ग दर्शक मंडल की बैठक में स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने कहा कि संतों से आह्वान किया कि वह मठ-मंदिरों को छोड़कर हिंदू समाज को धर्म, संस्कृति के लिए जागृत करें। हिंदु धर्म एवं संस्कृति को विस्तार देने के लिए भी संत आगे आएं। इसके लिए बिखरते हिंदु परिवारों को पहले एकजुट किया जाए। स्वामी वासुदेवानंद ने यह विचार अलोपीबाग स्थित आश्रम में व्यक्त किए। विहिप काशी प्रांत मार्ग दर्शक मंडल की बैठक में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य एवं स्वामी वासुदेवानंद ने कहा कि हिंदू समाज का जागरण ही हिंदू समाज की समस्याओं का समाधान है। बिखरते परिवार से समाज में संस्कार समाप्त हो रहे हैं। इसलिए हिंदू समाज की मुख्यधारा से दूर हुए अपने लोगों को मुख्यधारा में लाने का कार्य हमें ही करना है।इस अवसर पर एकनाथ पीठ के आचार्य जितेंद्रनाथ ने कहा, हिंदू धर्म संस्कृति की जड़ें इतनी गहरी हैं कि उसको कोई आक्रांता समाप्त नहीं कर सकता। भारत की पूरी दुनिया में पहचान शांति और धर्म के प्रेरक के रूप में है। धर्म संस्कृति के नाम पर हमारा जो समाज किसी कालखंड में हमसे दूर हुआ उन्हें मुख्यधारा में लाने का कार्य हमको करना है । स्वामी घनश्यामाचार्य ने कहा कि जागृत एवं समर्थ हिंदू दुनिया में अग्रणी होगा। विश्व की मंगल कामना इसी बिंदु पर निर्भर करती है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे सच्चा बाबा आश्रम के महंत स्वामी गोपाल जी महाराज ने कहा श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में जन-जन ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। बाबा अमरनाथ की यात्रा की कठिनाई को दूर करने में भी हमारी एकता काम आई, रामसेतु की रक्षा करने में भी हिंदू समाज सफल रहा। अब समरसता जैसे मुद्दे पर भी हमें प्रयास करना होगा। ऐसा करेंगे तभी काशी और मथुरा में सफल होंगे।उन्होंने कहा कि लव जिहाद जैसी समस्या का समाधान तभी होगा जब हिंदू समाज पूर्ण रूप से जागृत हो। कार्यक्रम का संचालन प्रांत संगठन मंत्री मुकेश कुमार ने किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय संत संपर्क प्रमुख अशोक तिवारी, आचार्य जमुना पुरी जी महाराज, ओंकार गिरि, स्वामी नारायण दास, चंद्र भूषण दास, राम प्रपन्नाचार्य, हरिशंकर, विमल प्रकाश, नितिन, अमित पाठक, आनंद शंकर दुबे, सुरेश अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

वेटिंग हाल में लावारिस बैग मिलने से हड़कंप

जीएम आगमन के मद्देनजर पुलिस फोर्स ने चलाया सतर्कता अभियान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस ने रविवार को स्टेशन पर संयुक्त रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान वेटिंग हाल में लावारिश बैग मिलने से हड़कंप मच गया। टीम ने बैग को कब्जे में ले लिया। बाद में यात्री के आने पर उसे बैग सौंप दिया गया।

जीएम आगमन के मद्देनजर रेलवे अधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी है। इसी सिलसिले में आरपीएफ और जीआरपी पुलिस की टीम ने स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया। जिसमें ट्रेन और प्लेटफार्म की चेकिंग कराई गई। यात्रियों का सामान चेक किया गया। जो भी संदिग्ध लोग मिले उन्हें कड़ी पूछताछ के बाद छोड़ा गया।

आरपीएफ और जीआरपी ने चलाया ट्रेन चेकिंग

लावारिस बैग को यात्री को सौंपती पुलिस।

इस दौरान कॉमन वेटिंग हाल में पुलिस वालों को एक लावारिस बैग मिला। वहां बैठे यात्रियों से उसके बारे में पूछा गया। लेकिन किसी ने बताया नहीं। पुलिस बैग लेकर थाने पर चली आई। बाद में जिसका बैग था। वह यात्री थाने पहुंच गया। लापरवाही के लिए थाने वालों ने उसे फटकार लगाई। हालांकि जांच पड़ताल के बाद बैग उसे दे दिया गया। अभियान का नेतृत्व इंस्पेक्टर आरपीएफ सीपी मिश्रा ने किया। अभियान में जीआरपी उपनिरीक्षक समेत कई पुलिस कर्मी मौजूद थे।

अपात्र लाभार्थी अपना प्रतिवेदन 2 सिंतबर तक जमा करें: एडीएम

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/परियोजना निदेशक डूडा त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना सबके लिए आवास शहरी के अंतर्गत नगर पंचायत रानीगंज की स्वीकृत डी0पी0आर0 498 में जो लाभार्थी अपात्र पाए गए हैं, उन लाभार्थियों की सूची 27 अगस्त 2022 से 02 सिंतबर 2022 तक संबंधित नगर पंचायत में चस्पा/उपलब्ध रहेगी। निर्धारित तिथि के उपरांत कोई भी आपत्ति नही ली जाएगी। अगर किसी भी लाभार्थी को अपात्रता में कोई आपत्ति है तो अपना प्रतिवेदन संबंधित नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी के पास जमा कर सकते हैं।

शिक्षकों को प्रशिक्षित करेगा इग्नू

शिक्षक दिवस से प्रारंभ होगा प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उच्च शिक्षा से जुड़े हुए 15 लाख शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत ऑनलाइन कोर्स के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए इस प्रशिक्षण को पूरा करने की जिम्मेदारी इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) को दी गयी है। यह प्रशिक्षण निशुल्क होगा एवं इसके लिए किसी अवकाश की आवश्यकता नही होगी। इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम का नाम प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन इंप्लीमेंटेशन ऑफ एनईपी 2022 फॉर यूनिवर्सिटी एंड कॉलेजेस टीचर्स है। यह कोर्स यू जी सी द्वारा मान्य होगा एवं इसे शिक्षक अपने प्रोन्नति के लिए भी उपयोग कर सकेंगे।

यह जानकारी देते हुए एमडी पीजी कॉलेज के जन सूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे एवं इग्नू प्रतापगढ़ के समन्वयक डॉ अभिषेक सिंह ने बताया कि यह प्रशिक्षण, शिक्षक दिवस से प्रारम्भ होगा एवं इसकी कुल अवधि 36 घंटे की होगी। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया प्रारम्भ है। प्रतापगढ़ के उच्च शिक्षा से जुड़े सभी शिक्षक चाहे स्थायी हो, अंशकालिक हो, या अतिथि प्रवक्ता हों, इस कोर्स से लाभान्वित हो सकते हैं। रजिस्ट्रेशन करते समय क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी का चुनाव करना होगा एवं अपने संस्था का परिचय पत्र भी अपलोड करना आवश्यक होगा। अधिकतम 9 दिनो में प्रशिक्षण पूर्ण किया जा सकता है। कोर्स पूरा होने पर प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इग्नू के कुलपति डा नागेश्वर राव ने देश के सभी विश्वविद्यालय के कुलपतियों को इस प्रशिक्षण के संदर्भ में अधिकृत पत्र द्वारा अवगत करा दिया है।

चंद्रदत्त सेनानी की पुण्यतिथि पर मरीजों को बांटा फल

कार्यकताओं में देखा गया उत्साह

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रदत्त सेनानी की 37वीं पुण्यतिथि पर रविवार को जिला महिला अस्पताल (सम्बद्ध राजकीय मेडिकल कालेज) के मरीजों को फल वितरित किया गया। इस अवसर पर स्व0 चंद्रदत्त सेनानी के पौत्र प्रथमेष सेनानी पुत्र षिव प्रकाष मिश्र सेनानी, जिला पंचायत सदस्य पूनम इंसान, डीपी इंसान सहित अनेक कार्यकर्ता व अस्पताल कर्मी मौजूद रहे। रविवार को पूर्वान्ह ग्यारह बजे अखिल भारतीय श्रीचंद्र दत्त सेनानी स्मारक न्यास के कार्यकर्ता अस्पताल पहुंचे थे फिर अस्पताल कर्मियों के साथ एक-एक वार्डों में जाकर मरीजों को फल बांटा। बता दें कि आज ही चंद्रदत्त सेनानी की मूर्ति का अनावरण लखनऊ में उप मुख्यमंत्री बृजेष पाठक ने किया। इस कारण षिव प्रकाष मिश्र व बहुत से कार्यकर्ता व्यस्त होने के कारण बेल्हा नहीं पहुंच पाए, फिर भी कार्यकताओं में उत्साह देखा गया।

मरीजों को फल बांटते कार्यकर्ता।

अवैध स्मैक के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 24 अगस्त से 31 अगस्त तक अवैध ड्रग्स एवं अवैध शराब के विरुद्ध चलाये गये विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद के थाना अंतू से उ0नि0 अंकित सिंहमय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थानाक्षेत्र के रेलवे स्टेशन, अंतू के पास से एक व्यक्ति विनोद मिश्रा पुत्र स्व0 देवतादीन मिश्रा निवासी सतीगंज थाना अंतू, जनपद प्रतापगढ़ को 16.34 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अंतू पर मु0अ0सं0 461/22 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया है।

किसान के घर से पिपरमेंट तेल समेत लाखों की चोरी

नहीं थम रही है लूट व चोरी की घटनाएं, पुलिस दिखाई दे रही असहाय

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र में लगातार हो रही लूट व चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगा पाने में पुलिस असहाय दिखाई दे रही है। अभी हाल ही में हुई दर्जनों लूट व चोरी की घटनाओं के खुलासे में नाकाम पुलिस को किसान के घर में सेंध काट कर लाखो की चोरी की घटना को अंजाम देकर बदमाशों ने पुलिस की नीद हराम कर दी है।

स्थानीय क्षेत्र में हुई दर्जनों लूट व चोरी की घटनाओं का खुलासा करने में नाकाम पुलिस को चोरों ने बभन पुर में घटना को अंजाम देकर हैरान कर दिया। बभनपुर के अमरजीत वर्मा के यहा शनिवार की रात घर के सभी लोग सो गए। चोरों ने पक्की दीवार में सेंध काटकर घर में रखा 30 लीटर पिपर मेंट के तेल समेत लाखों के जेवरात व 10 हजार की नगदी उठा ले गए। परिजनों को घटना की जानकारी सुबह हो सकी। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को घटना के बावत तहरीर दी है। बता दें कि 24 अगस्त को अधिवक्ता सतेश सिंह के यहां लाखो की चोरी के के पहले 3 जून को कैथौला के इटहा में चोरों ने फौजी के घर समेत दो को निशाना बनाते हुए लाखो की चोरी की घटना को अंजाम दिया था। यही नहीं 31 जुलाई को रामपुर व बेलहा में दुकान समेत पांच जगह चोरी की घटना हुई। लालगंज के टेंपो चालक से दिनदहाड़े लाखो की लूट की गई। मामले में पुलिस ने एफआईआर भी नहीं दर्ज की। पीड़ित को न्यायालय का सहारा लेना पड़ा। 20 अगस्त को अगई स्थित अमर ऑटो सेल्स पर लूट के साथ ही 23 अगस्त को चोरों ने चकौड़िया गांव के दो घरों में नगदी समेत लाखो के जेवरात की चोरी की घटना को अंजाम दिया था।क्षेत्र में हो रही लगातार घटना को रोक पाने में पुलिस असहाय दिखाई दे रही है। वहीं क्षेत्र के लोग अब रतजगा करने को मजबूर हैं।

घर में दीवार में काटा गया सेंध।

एडिशनल एसपी ने किया पट्टी कोतवाली का औचक निरीक्षण

जनशिकायतो के त्वरित निस्तारण के लिये दिए आवश्यक दिशा निर्देश

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। रविवार को नवागत एडिशनल एसपी ने पट्टी कोतवाली का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपराध और अपराधियों पर की गई कार्रवाई के संबंध में जानकारी लिए तथा रजिस्टर तथा अभिलेखों को खंगाला।

प्रतापगढ़ जनपद के एडिशनल एसपी विद्यासागर मिश्र पट्टी तहसील क्षेत्र के कंधई थाने का औचक निरीक्षण रविवार को किया। उसके बाद वह लगभग तीन बजे पट्टी कोतवाली पहुंचे। पट्टी कोतवाली पहुंचते उन्होंने अपराध रजिस्टर तथा अभिलेख को देखना शुरू कर दिया। इस दौरान उन्होंने थाना प्रभारी नंदलाल सिंह से जन शिकायतों के निस्तारण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि थाना दिवस पर आए हुए मामलों को त्वरित ढंग से निपटाने तथा वादियों और ठीक ढंग से काम करने के सम्बंध में आवश्यक निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने कार्यालय में अपराध रजिस्टर को देखा तथा जांचा और प्रभारी निरीक्षक नंदलाल सिंह से अपराध तथा अपराधियों पर की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने संपूर्ण कागजात पूर्ण रूप से व्यवस्थित रखने का निर्देश दिया। महिला थाना का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने महिलाओं तथा बच्चों पर हो रहे उत्पीड़न तथा उनके ऊपर हो रहे अपराध के संबंध में अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस दौरान विनोद कुमार राहुल कुमार, गुलाब यादव पट्टी क्षेत्राधिकारी दिलीप सिंह सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

पट्टी कोतवाली का निरीक्षण करते अपर पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र

जिले के अलग-अलग थानों से 109 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद

एसपी के निर्देश पर पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अवैध ड्रग्स एवं अवैध शराब के विरुद्ध चलाये गये विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 109 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई।

थाना लीलापुर से बरामदी 20 लीटर अवैध कच्ची शराब, धारा 60 आबकारी अधि0 बनाम सुरेश सरोज पुत्र गनपत सरोज निवासी घीसा का पुरवा रेडवीर, थाना लीलापुर, थाना देल्हूपुर से बरामदी 10 लीटर अवैध कच्ची शराब, धारा 60 आबकारी अधि0 बनाम राजकुमार उर्फ टेढ्ढू पुत्र ढनगू निवासी नेवादा थाना मऊआईमा, जनपद प्रयागराज, थाना जेठवारा से बरामदी 10 लीटर अवैध कच्ची शराब, धारा 60 आबकारी अधि0 बनाम विमलेश सरोज पुत्र कल्लू सरोज निवासी खेमई पुरवा कुटिलिया थाना जेठवारा, थाना मानिकपुर से बरामदी 10 लीटर अवैध कच्ची शराब, धारा 60 आबकारी अधि0 बनाम अमरनाथ शर्मा पुत्र स्व0 रामस्वरूप शर्मा निवासी गोतनी थाना मानिकपुर, थाना लालगंज से बरामदी 40 लीटर अवैध कच्ची शराब, धारा 60 आबकारी अधि0 बनाम शीयम भारती पुत्र मुकेश भारती, दिलीप कुमार कोरी पुत्र राजेन्द्र कोरी, सुनील पुत्र खुटई व आजाद वर्मा पुत्र अरविन्द वर्मा निवासीगण रमन का पुरवा मेढ़ावा थाना लालगंज, जनपद प्रतापगढ़, थाना कुण्डा से बरामदी 04 लीटर अवैध अपमिश्रित कच्ची शराब व 500 ग्राम यूरिया, भादंवि व धारा 60, 63 आबकारी अधि0 बनाम बसन्तलाल पुत्र रामदेव निवासी पुराना कुण्डा थाना कुण्डा व थाना हथिगवां से बरामदी 15 लीटर अवैध कच्ची शराब, धारा 60 आबकारी अधि0 बनाम छोटेलाल पुत्र पितई निवासी सरैया प्रवेशपुर थाना हथिगवां शामिल हैं।

जनभावनाओं के अनुरूप काम कर रही है भाजपा सरकार: वर्मा

किसान मोर्चा की बैठक सम्पन्न, किसानों की समस्याओं पर हुआ मंथन

अतिथियों का स्वागत करते पदाधिकारीगण।

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय मिश्रा के निर्देश पर रविवार को आसपुर देवसरा मंडल के मंडल अध्यक्ष राम श्लोक पांडे की अध्यक्षता में तथा मुख्य अतिथि किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह एवं किसान मोर्चा के जिला महामंत्री राम चरित्र वर्मा की उपस्थिति में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को दिन सुना गया। तदोपरांत किसान गोष्ठी में किसानों के हित में राज्य सरकार द्वारा एवं भारत सरकार द्वारा जारी की गई योजनाओं के बारे में विस्तृत चर्चा की गई जिस में उपस्थित लोगों ने अपनी समस्याएं भी बताई।

मौजूद लोगों ने बताया कि ग्राम अतरौरा में बने पशुशाला की दैनिक दुर्दशा एवं उसमें रह रहे गोवंश के घोर चारे के अभाव में जानवर तड़प कर मर जा रहे हैं तथा खेतों में टहलने वाले आवारा जानवर जो फसलों को नष्ट कर रहे हैं उसके निराकरण के लिए मांग की गई। बैठक में किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष जी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में सदैव चिंतित रहती है और किसानों की आय किस तरह से बढ़े इसके बारे में हमेशा प्रयास करती रहती है। वर्तमान समय में कम बारिश होने के कारण किसानों की समस्या से भी मुख्यमंत्री अवगत हो रहे हैं और जनता की भावनाओं को ध्यान में रखकर सारी योजनाएं लागू की जा रही है। उक्त कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शासकीय अधिवक्ता इंद्र कांत पांडे के द्वारा किया गया तथा आए हुए अतिथियों को माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी के रूप में वीरेंद्र पांडे को जिला उपाध्यक्ष ने माला पहनाकर उनको आसपुर देवसरा मंडल का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया। बैठक में जगदीश नारायण पांडे, राजेश पांडे, रामकृपाल, मोरे मंडल महामंत्री मुन्ना प्रधान द्वारा रफीक भाई सत्य नारायण पांडे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। बैठक के अंत में आए हुए अतिथियों एवं उपस्थित महानुभाव का मंडल अध्यक्ष राम श्लोक पांडे ने आभार व्यक्त किया।

सड़क किनारे उगी झाड़ियों से राहगीर परेशान

प्रतापगढ़। रानीगंज क्षेत्र के मां वाराही धाम सई नदी के पुल के दोनो तरफ उगी कंटीली झाड़ियां हादसे को न्योता दे रही हैं। सड़क के दोनो तरफ बड़े बड़े जंगली बबूल सरपत आदि लटक रहे हैं जिससे रोड पूरी तरह से गुफानुमा बन चुकी है। सड़क पर कई जगह अंधा मोड़ बन गया है जिससे लोगो की जान का खतरा बना हुआ है। इस सड़क से रोजाना हजारों लोगो का एवम दर्शनार्थियों का आना जाना है। सामाजिक कार्यकर्ता अनिल स्वतंत्र ने एक माह पूर्व आईआरजीएस पर पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से उक्त समस्या के समाधान के लिए शिकायत की थी। पीडब्ल्यूडी के जेई द्वारा जल्द ही झाड़ियों की सफाई करवाने का आश्वासन दिया गया था। एक माह बीतने के बाद भी संबंधित विभाग की लापरवाही से किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। वाहन चालकों स्थानीय ग्रामवासियों ने शीघ्र ही सड़क किनारे उगी झाड़ियों को साफ कराने की मांग की है।

अलग-अलग थानों से तीन वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के थाना फतनपुर के उ0नि0 संजय कुमार यादव मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 256/2020 धारा 363, 366, 376 भादंवि व धारा 3/4 पॉक्सो एक्ट से संबंधित एक वांछित अभियुक्त धर्मराज बिन्द उर्फ धर्मू पुत्र शिव प्रसाद निवासी इमिलिया भोगवारा, थाना फूलपुर, जनपद प्रयागराज को थाना क्षेत्र फतनपुर के जगतपुर मोड़के पास से गिरफ्तार किया गया। उधर जनपद के थाना अंतू के उ0नि0 उमेश प्रताप सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 458/2022 धारा 363, 366, 120बी भादंवि से संबंधित एक वांछित अभियुक्त रिंकू वर्मा पुत्र कल्लू वर्मा निवासी कोलबजरडीह थाना अंतू, जनपद प्रतापगढ़ को जनपद रायबरेली से गिरफ्तार किया गया। अभियोग से संबंधित अपहृता को भी बरामद कर लिया गया है। उधर जनपद के थाना मानिकपुर के उ0नि0 राजेन्द्र राम मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 248/2022 धारा 363, 366, 376 भादंवि व धारा 3/4 पॉक्सो एक्ट से संबंधित एक वांछित अभियुक्त डब्लू सरोज पुत्र ओम प्रकाश निवासी इनायतगंज कटरा थाना मानिकपुर, जनपद प्रतापगढ़ को थाना क्षेत्र मानिकपुर के चैरही तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया।

रचनाओं के माध्यम से कवियों ने सामाजिक कुरीतियों पर किया प्रहार

राष्ट्र भक्ति के गीतों से गुलजार हुई शाम

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी तहसील क्षेत्र के सरमा गांव में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें मौजूद कवियों ने सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करते हुए राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत रचनाओं को पढ़कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान क्षेत्र के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

पट्टी तहसील क्षेत्र के सरमा गांव में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक मृत्युंजय यादव, समाजसेवी राम शिरोमणि यादव तथा दहेज विरोधी आंदोलन के संस्थापक डॉ लाल सिंह ने जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष दिनेश तिवारी का मुख्य अतिथि के रूप में माल्यार्पण करके स्वागत किया। उसके बाद अन्य मौजूद अतिथियों का स्वागत हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत मां वीणा वादिनी की वंदना के साथ शुरू हुआ जिसमें दीपेंद्र तन्हा ने मां सरस्वती की बंदना किया। उसके बाद हिंदुस्तान के कई शहरों तथा टीवी चैनलो पर अपना जलवा बिखेर चुके ओज कवि लवलेश यदुवंशी ने सभी देशों से प्यार अपना हिंदुस्तान लगता है पढ़ा तो लोग राष्ट्रवाद की भावना से ओतप्रोत होकर के तालियां बजाने लगे। रायबरेली से आये कवि संदीप शरारती ने अपने हास्य रचनाओं के माध्यम से लोगों को गुदगुदाया और जब दहेज गीत पढ़ा तो लोग भावुक हो गए। नवोदित कवि राम भुवन यादव ने नवल सुबह की प्रेम से परिपूर्ण कविता पढ़ी तो प्रेम का ऐसा उद्गार किया कि लोग भाव विभोर होकर तालियां बजाने लगे। दीपेंद्र तन्हा अपने हास्य व्यंग्य के माध्यम से लोगों के व्यवहार और सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करते हुए नया नया दुलहिन नया नया गांव जब पढ़ा तो लोग ठहाके लगाकर हंसने लगे। कार्यक्रम के अंत में राम शिरोमणि यादव ने सभी कवियों और मौजूद लोगों के प्रति आभार प्रकट किया तो वही दहेज विरोधी आंदोलन के संस्थापक डॉ लाल सिंह ने दहेज ना लेने और ना देने का संकल्प दिलवाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजेश यादव मृत्युंजय यादव, राम नरेश यादव, सागर यादव ,रामानंद तिवारी, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष दिनेश तिवारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सरमा गांव में आयोजित कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करते कवि।

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतापगढ़ की टीम रही अव्वल

पुलिस लाइन में अन्तर्जनपदीय प्रतियोगिता शुरू, आठ जिले की टीमों ने किया प्रतिभाग

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अन्तर्जनपदीय प्रतियोगिता कुश्ती कलस्टर (कुश्ती, कबड्डी, भारोत्तोलन, बाक्सिंग, बॉडी बिल्डिंग व पावरलिफ्टिंग) (महि0/पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन पुलिस लाइन में किया गया, जिसमें प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर, प्रयागराज, बांदा, हमीरपुर, चित्रकूट, महोबा जनपद की टीमों नें प्रतिभाग किया। बाक्सिंग खेल प्रतियोगिता पुरूष वर्ग में लाइट वेट-60 किलो में रविन्द्र बघेल-प्रतापगढ़ व सतेन्द्र कुमार कौशाम्बी, लाइट वेट-64 किलो में राजेश यादव कौशाम्बी व संदीप यादव-प्रतापगढ़, वल्टर वेट-69 किलो में अशीष चैधरी प्रतापगढ़ व संदीप यादव-प्रतापगढ़, मिडिल वेट-75 किलो में भूपेन्द्र चैहान कौशाम्बी व गंभीर सिंह प्रयागराज, लाइट हैवी वेट-81 किलो में गौरव रावत प्रतापगढ़ व तेजपाल प्रयागराज, हैवी वेट-91 किलो में मनीष कुमार कौशाम्बी व शैलेन्द्र सिंह फतेहपुर, बाक्सिंग खेल प्रतियोगिता महिला वर्ग में फ्लाई वेट-52 किलो में रिचा शर्मा-प्रतापगढ़ व शुभांगी पाल-कौशाम्बी, लाइट फ्लाई वेट-50 किलो में प्रशंसा मिश्र कौशाम्बी व क्षमा फतेहपुर, फ्लाई वेट-60 किलो में खुशबू प्रतापगढ़ व विजया भारतिया कौशाम्बी, फ्लाई वेल्टर वेट-65 किलो में शुलेखा प्रतापगढ़ व निशू सिंह प्रयागराज, मिडिल वेट-75 किलो में कविता यादव फतेहपुर व सोनी सिंह प्रयागराज, मिडिल वेट-75 किलो में कविता यादव फतेहपुर व सोनी सिंग प्रयागराज, वेटम वेट-54 किलो में श्रुति शर्मा प्रतापगढ़ व जागृति कश्यप कौशाम्बी विजयी हुए। कबड्डी खेल के फाइनल मैच में महिला वर्ग प्रतापगढ़-फतेहपुर तथा पुरूष वर्ग बांदा-प्रतापगढ़ में मुकाबला हुआ, जिसमें जनपद प्रतापगढ़ की टीम विजयी रही। पावर लिफ्टिंग पुरुष वर्ग में 55 से 60 किलो में रविन्द्र बघेल प्रतापगढ़ व मनोज यादव प्रयागराज, 60 से 65 किलो में आशीष चैधरी प्रतापगढ़ व विश्वजीत यादव प्रतापगढ़, 65 से 70 किलो में सुरेश बाबू बांदा व विकाश कुमार फतेहपुर, 70 से 75 किलो में ऋषि रंजन मिश्रा फतेहपुर व बिन्द मुलायम हमीरपुर, 75 से 80 किलो में योगेश कुमार प्रतापगढ़ व लक्ष्मीकान्त उपाध्याय प्रतापगढ़, 80 से 85 किलो में कृष्ण कुमार प्रयागराज व गौरव प्रयागराज, 85 से 90 किलो में तेजस्वी यादव फतेहपुर व सुरेन्द्र कुमार कौशाम्बी, 90 से 95 किलो में राज किशोर चैहान प्रतापगढ़ व अनुपम प्रयागराज, 95 से 100 किलो में आलोक मिश्रा कौशाम्बी व जितेन्द्र प्रतापगढ़, 100 से 110 किलो में अशोक कुमार यादव फतेहपुर विजयी हुए।

खबर संक्षेप

ट्रांसफार्मर फुंकने से अंधेरे में सैकड़ों घर

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा उप केंद्र के अंतर्गत लोधन का पूरा में 25 केवीए का ट्रांसफार्मर शुक्रवार रात को फुकने से सैकड़ों घर में अंधेरा छा गया है ग्रामीणों ने हेल्पलाइन नंबर में शिकायत दर्ज कराई है ट्रांसफार्मर फुंक जाने के बाद ग्रामीणों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

चोरी गई बाइक कुएं से हुई बरामद

कौशाम्बी। सराय अकिल कोतवाली क्षेत्र के कनैली पुलिस चौकी अन्तर्गत महगूपुर निवासी केशन लाल पुत्र ओमकार नाथ की तीन महीने पहले घर के पास से बाइक चोरी हुई थी मामले की सूचना पीड़ित ने पुलिस को दी थी गांव क्षेत्र का एक युवक रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हो गया है जिसे खोजने के लिए लोग उसे कुएं में ढूंढ रहे थे लेकिन युवक तो नहीं मिला बल्कि कुएं से बाइक मिल गई है शनिवार को सराय अकिल पुलिस ने चोरी गई बाइक नंबर ३ 100 ४स्त्र 73 ९ 6630 को कुएं से बरामद कर लिया है।

मछली पकड़ने गये युवक का तालाब में मिला शव

चरवा के सैयद सरावां गांव का युवक शनिवार की शाम को घर से निकला था

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के सैयद सरावां गांव में रविवार की सुबह पानी भरे तालाब में एक 22 वर्षीय युवक का शव उतराता हुआ मिला है। शव मिलने की सूचना पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी होने पर तलाश करते हुए स्वजन भी पहुंचे। परिजनों ने शव की पहचान करते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने औपचारिकताएं पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के सैयद सरावां गांव निवासी जाने आलम मेहनत मजदूरी करके परिजनों का भरण-पोषण करते हैं। परिजनों के मुताबिक उनका 22 वर्षीय बेटा मोहम्मद हासिम तालाब में मछली पकड़ने के लिए जाने को बता कर शनिवार की शाम घर से निकाल गया था। जिसके बाद देर शाम होने पर जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। परिजन गांव के तालाबों समेत अन्य स्थानों पर उसकी तलाश कर रहे थे। इस बीच सुबह लोगों से गांव की पश्चिम दिशा में स्थित तालाब में मोहम्मद हासिम का शव पानी भरे तालाब में उतराता हुआ देखा । इस संबंध में चरवा इंस्पेक्टर आलोक कुमार का कहना है कि प्रथम दृष्टि माना जा रहा है कि मछली पकड़ने के दौरान ही युवक गहरे पानी में डूब गया है। इससे उसकी मौत हो गई है । परिजनों ने भी तहरीर में यही जानकारी दी है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लाश मिलने की जानकारी पर मौके पर जांच पड़ताल करती पुलिस

बाइक सवारों को ट्रैक्टर मारी टक्कर एक की मौत एक लहूलुहान

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के सिरियावा कला गांव के पास बाइक सवारों को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दिया है जिससे एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई है और एक व्यक्ति लहूलुहान है सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय थाना पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है घटना की जानकारी मिलते ही हादसे के शिकार लोगों के परिजन के साथ ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए हैं मौके पर कोहराम मचा हुआ है घटना शनिवार की देर रात्रि की है घटनाक्रम के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के सिरियावा कला गांव निवासी सियाराम उम्र लगभग 47 वर्ष पुत्र बिरजू अपने साथी मुज्जन के साथ बाइक से चरवा बाजार गए थे देर रात दोनों बाइक से वापस सिरियावा कला गांव लौट रहे थे जैसे ही बाइक सवार सिरियावा कला गांव के चौराहे के पास पहुंचे भरवारी की ओर से आ रहे तेज गति ट्रैक्टर ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार दोनों लोग सड़क पर गिर पड़े हादसे में सियाराम की मौके पर मौत हो गई और उनका साथी गंभीर घायल हो गया।

बालक की मौत पर रोते बिलखते परिजन

गंगा में डूबने से बालक की मौत परिजनों में मचा कोहराम

कौशाम्बी। कोखराज थाना अन्तर्गत आलमचन्द्र (हर्रायपुर) चौकी क्षेत्र के कुरई गंगा नदी के घाट निवासी अजय उम्र 10 वर्ष पुत्र सुनील का पैर फिसलने से उफनाती गंगा के गहरे जल में समा गया,जिसे स्थानीय गोताखोरों की मदद से बाहर निकाला गया लेकिन गंगा में डूबने से बालक की मौत हो गई बालक की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है,सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर कार्यवाही में जुट गई है।

किसानों की आय दुगुनी न कर पाई केंद्र सरकार किसान सम्मान निधि की धनराशि ही दुगुनी करे : अजय सोनी

किसान सम्मान निधि की धनराशि दुगुनी करने की केंद्र सरकार से सकिपा ने की मांग

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी ने केंद्र सरकार से किसानों को प्रति चार माह में मिलने वाली किसान सम्मान निधि की धनराशि को दुगुनी करने की मांग की है। ग्राम टेवा में किसानों से वार्ता करते हुए पार्टी नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी ने कहा कि साल 2022 के फरवरी माह तक देश के किसानों की आय दुगुनी करने की केंद्र सरकार द्वारा पांच साल पूर्व की गई घोषणा फेल हो चुकी है। किसानों की आय दुगुनी करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई नीति या कार्यक्रम अथवा अलग से बजट का कोई प्रावधान नहीं किया गया जिसके चलते घोषणा के पांच साल बीतने के बाद भी देश के किसानों की आय दुगुनी नहीं हो सकी। इस के लिए देश के किसानों से केंद्र सरकार को माफी मांगनी चाहिए। इसी तरह अजय सोनी ने कहा कि साल 2018 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र सरकार द्वारा किसानों के खातों में प्रति चार माह में 2000 रू डालने की शुरूआत हुई थी। तब से अब तक में देश भर में कृषि क्षेत्र में महंगाई दुगुनी से भी ज्यादा हो चुकी है। ऐसे में प्रति चार माह में महज 2000 रू अपर्याप्त है। इसे बढ़ाकर कम से कम 4000 रू प्रति चार माह किसानों के खातों में डालना चाहिए। आगे कहा कि हम समर्थ किसान पार्टी की ओर से केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि प्रति चार माह में किसानों के खातों में केंद्र सरकार द्वारा चार हजार रुपए प्रदान किया जाए। इसी के साथ अजय सोनी ने कहा कि हम जल्द ही इस संबंध में समर्थ किसान पार्टी की ओर से केंद्र सरकार को ज्ञापन भेज कर ऐसी मांग करेंगे। इस अवसर पर प्रेम चन्द्र केसरवानी, सुरजीत वर्मा, राहुल यादव, रामबली सरोज, जुम्मन अली, शफीक अहमद आदि मौजूद रहे।

बैठक कर बाहर निकलते समर्थ किसान पार्टी नेता

दहेज हत्यारोपी पति को सात वर्ष की कैद

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम कीर्ती कुणाल ने दहेज हत्या के एक मामले में आरोपित पति को सात वर्ष के कारावास से दंडित किया है। आरोपित पति के खिलाफ पच्चीस हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है।अभियोजन के अनुसार करारी थाना क्षेत्र के नेवारी गांव निवासी देवनाथ ने अपनी पुत्री सुमन का विवाह करीब दस वर्ष पूर्व कौशांबी थानाक्षेत्र के गढ़वा उदारू निवासी शिवचरन मौर्य के साथ किया था। शिवचरन की प्रताड़ना से परेशान होकर सुमन काफी समय तक अपने माता-पिता के घर में रही। दोनों के बीच कोर्ट में मुकदमा भी चला। बाद में सुलह हो गई, तो शिवचरन सुमन को बुला कर अपने घर ले गया। १३ अप्रैल २०१६ को देवनाथ को उसकी पुत्री सुमन के इंतकाल की सूचना मिलने पर जब वह बेटी की ससुराल गया तो वहां सुमन का शव फांसी पर लटका मिला। मामले में वादी देवनाथ ने थाना चरवा में शिवचरन के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। विवेचना के बाद पुलिस ने आरोपित शिवचरन के खिलाफ दहेज हत्या का आरोप पत्र दाखिल किया। राज्य सरकार की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता ने वादी समेत घटना के साक्षियों को अदालत में पेश करके गवाही कराई, और बहस करते हुए आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने का अनुरोध किया।

बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता ने सजा में नरमी बरतने की अपील की। दोनों ओर से की गई बहस को सुनने व पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्य का अवलोकन करने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट कीर्ती कुणाल ने आरोपित के खिलाफ सात वर्ष की केद और पच्चीस हजार रुपए जुमार्ना की सजा सुनाई है।

थाना पुलिस ने समझौता कराकर विवाहिता को भेजा था ससुराल जहां उसकी हो गई थी मौत

बेसिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन इकाई संगठन का हुआ विस्तार

कौशाम्बी। बेसिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन की एक बैठक आहूत की गई जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर महेंद्र कुमार यादव ने की' बैठक में बेसिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन कौशांबी जनपद इकाई संगठन का विस्तार किया गया जिसमें वीरेंद्र कुमार निर्मल को जिला संरक्षक विनोद कुमार यादव को जिला संयोजक अमित कुमार सत्यार्थी को जिला महामंत्री तथा सुशील तिवारी, अनिल कुमार,मनीष भूर्तियां,निलोत्पल यादव को जिला उपाध्यक्ष और रवि यादव, आशुतोष कुमार सिंह,अभय प्रताप सिंह,अनूप कुमार को जिला मंत्री तथा महेंद्र सिंह को जिला कोषाध्यक्ष के पद पर बेसिक अध्यापकों ने सर्वसम्मति से चुना तथा प्रदेश अध्यक्ष ने समस्त पदाधिकारियों को अंग वस्त्र तथा माला पहना कर के प्रमाण पत्र सौंपा साथ ही साथ ममता यादव को बीटीसी प्रशिक्षु (महिला प्रकोष्ठ)प्रदेश अध्यक्षा पद पर बेसिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष ने मनोनीत किया ' चुने हुए समस्त पदाधिकारीगण ने गोपनीयता व शपथ लेते हुए कहां की शिक्षक हित में हम सदैव तत्पर रहेंगे' प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस समय शिक्षक तमाम समस्याओं से जूझ रहा है जिसके कारण बेसिक शिक्षक कुंठीत और बीमार हो रहा है संसाधनों के अभाव में तथा अन्य तमाम कार्य शिक्षकों से लिए जाने के कारण मुख्य कार्य प्रभावित हो रहा है अध्यापक को पढ़ाने के अतिरिक्त अन्य कार्य न लिए जाएं' जिससे शिक्षक अपने कार्य को मनोयोग से कर सकें 'इस मौके पर कौशांबी जिला अध्यक्ष रविंद्र प्रताप सिंह प्रदेश महामंत्री पुष्पराज सिंह प्रदेश मंत्री महेंद्र सिंह प्रदेश सलाहकार प्रखर नरेश,मंडल अध्यक्ष धीरज सिंह आशा पांडे भारी संख्या में बेसिक अध्यापक मौजूद रहे।

4 दिनों से अखाड़ा बाग कशिया मूरतगंज की लाइट है खराब

कौशाम्बी। जिले में विद्युत विभाग का भी कारनामा बेहद निराला है मुख्यमंत्री 24 घंटे में विद्युत ट्रांसफार्मर बदलने और खराब विद्युत को सुधार करने का निर्देश दे रहे हैं लेकिन जिले में विद्युत अधिकारियों पर मुख्यमंत्री का आदेश लागू होता नहीं दिख रहा है चायल तहसील क्षेत्र के अखाड़ा बाग कशिया मूरतगंज की लाइट 4 दिनों से खराब है ग्रामीण बार-बार अधिकारियों को फोन कर रहे हैं लेकिन विद्युत पावर हाउस के अधिकारी फोन नहीं उठा रहे हैं जिससे ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है 4 दिन से लगातार ग्रामीणों को बार-बार अवर अभियंता तुरंत विद्युत व्यवस्था सुधार करने का आश्वासन दे रहे हैं लेकिन 4 दिन से उनका 10 मिनट का समय नहीं पूरा हो सका है आखिर विद्युत अधिकारी मुख्यमंत्री के निर्देश को मानने से क्यो इनकार कर रहे हैं यह विद्युत विभाग की व्यवस्था पर बड़ा सवाल है ग्रामीणों ने आला अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए खराब विद्युत लाइट को सुधार कराए जाने की मांग की है।

महंगाई बेरोजगारी के विरुद्ध आम आदमी पार्टी ने पदयात्रा निकालकर किया विरोध प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आवाहन पर रविवार को मंझनपुर मुख्यालय दुर्गा देवी मंदिर से मंझनपुर चौराहा तक आम कौशांबी प्रभारी मो शाहजहां के नेतृत्व में कार्यकताओं ने केंद्र सरकार द्वारा निरंतर बढ़ाई जा रही महंगाई एवं बेरोजगारी के विरुद्ध हाथों में पोस्टर बैनर लेकर नारेबाजी करते बाजार के विभिन्न मार्ग होते हुए लगभग 5 किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने महंगाई का राक्षस मुदार्बाद, भ्रष्टाचारी भारत छोड़ो, जब से भाजपा आई है कमरतोड़ महंगाई है, तेरी है ना मेरी है यह सरकार लुटेरी है मोदी जी होश में आओ डीजल पेट्रोल के दाम घटाओ, जैसे नारे लगा रहे थे साथ ही साथ वंदे मातरम और भारत मां की जय का उद्घोष भी हो रहा था, ।पदयात्रा के दौरान पुलिस के जवानों ने शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मोहम्मद असद पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रत्याशी विधानसभा सिराथू विष्णु कुमार पूर्व जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार मोहम्मद रिजवान उर्फ बोग्गी भाई पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्याम सिंह पाल मसुरिया दीन मौर्य जिला महासचिव सुनील मौर्य ,शहनवाज,रवी यादव, जितेंद्र कुमार चौरसिया, राज शेखर श्रीवास्तव, अजय सरोज,रवि पवार, पवन निर्मल, एस पी सिंह, अली हुसैन, इलियास ,अशोक रावत, आरिफ फारुकी नीलेश, केपी सिंह, राम लखन मौर्य आशिक अली असहाब रजा राजीव केसरवानी अर्चना गौतम, सूरज सिंह,सहित सैकड़ों की संख्या में उत्साहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महंगाई के विरोध में प्रदर्शन करते आम आदमी पार्टी के नेता

ओवर ब्रिज बनाने में ठेकेदार के सर्विस रोड ना बनाने से आवागमन में हो रही दिक्कत

अखंड भारत संदेश

इमामगंज कौशांबी। हावड़ा दिल्ली रेल लाइन के चायल तहसील क्षेत्र के जीवन गंज रेलवे फाटक नंबर 10 पर रेलवे के ठेकेदारों द्वारा ओवरब्रिज बनाया जा रहा है जिससे सड़कें बाधित हो गई है और आम जनमानस को आने-जाने में दिक्कत से जूझना पड़ रहा है रेलवे पुल के निर्माण के चलते बगल से निकलने के लिए जो रास्ते छोड़े गए हैं उसमें बड़े-बड़े गड्ढे हैं जिससे अक्सर वाहन पलट जाने का खतरा बना रहता है आए दिन रास्ते में वाहन फस जाते हैं बरसात होने के बाद रास्ते की दुर्दशा और बढ़ गई है लेकिन आम जनमानस के आवागमन में हो रही दिक्कत को दूर करने का प्रयास ठेकेदार और रेलवे के अधिकारियों ने अभी तक नहीं किया है नए निर्माण कराए जाने के पूर्व ठेकेदार को सर्विस रोड बनाए जाने का निर्देश कार्य योजना में शामिल है लेकिन उसके बाद भी ग्रामीणों को मुसीबत में डाल कर ठेकेदार ने सर्विस रोड नहीं बनाई है और रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज का निर्माण शुरू कर दिया है कई बार ग्रामीणों ने सर्विस रोड बनाए जाने के मामले को लेकर अधिकारियों से शिकायत की लेकिन उसके बाद भी ठेकेदार द्वारा सर्विस रोड नहीं बनाई गई है जिससे ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है और कभी भी ठेकेदार और उनके लोगों पर ग्रामीणों का आक्रोश फूट सकता है। बताते चलें कि सर्विस रोड बनाने में लाखों रुपए का खर्च होता है जिसकी भरपाई सरकार करती है लेकिन सर्विस रोड बनाए जाने वाले बजट को ठेकेदार डकार जाना चाहता है ठेकेदार के कारनामे पर यदि रेल विभाग के

रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण के पूर्व सर्विस रोड ना बनाए जाने से आवागमन में जूझ रहे ग्रामीणों में आक्रोश , सर्विस रोड बनाए जाने वाले बजट को डकार जाना चाहता है ठेकेदार

अधिकारियों ने जांच कराई तो ठेकेदार के कारनामे उजागर होंगे और रेलवे पुल निर्माण के पूर्व सर्विस रोड ना बनाने वाले ठेकेदार पर कठोर कार्यवाही हो सकती है ग्रामीणों ने रेल विभाग के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सर्विस रोड ना बनाने वाले रेलवे ठेकेदार पर मुकदमा दर्ज कराए जाने और रेलवे ओवरब्रिज बनाए जाने के दौरान सर्विस रोड बनाए जाने की मांग की है।

बारात घर पर हुआ कब्जा लोगो मे आक्रोश

भरवारी कौशाम्बी। मूरत गंज ब्लाक के सीरियावा गाव में काफी वर्षो से गाव वालो की सुविधा के लिए एक बारात घर का निर्माण हुआ था जिसमे गाव के नीचे तबके व गरीब लोगों के लिए सरकार बारात घर बनवाया गया था जो कुछ दिन तक तो ठीक ठाक रहा लोगो के जरूरत पर काम आता रहा इधर निजाम बदलते ही गाव के प्रधान बदलते ही उक्त बारात घर पर कब्जा कर उसमें पशुओं का भूसा व अन्य सामान भर दिया गया। ज्ञातब्य हो कि उक्त बारात घर के बनने से गाव के ही लोगो को काफी आराम रहता था और आदमी अपने घर के शुभ कार्य उसी घर से किया करते थे जिसके चलते गाव के ही लोगो ने शिकायत कर कब्जा कर रहे गाव के दबंग व्यक्ति से कब्जा मुक्त कराकर कब्जा धारक के ऊपर कानूनी कार्य वही करने की मांग की वही जिलाधिकारी कौशाम्बी से अनुरोध किया है कि उक्त बारात घर को यथा शीघ्र कब्जा मुक्त कराया जाय।

भवंस मेहता के प्राचार्य व अन्य शिक्षक

भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी को शोध केंद्र विषय गणित बनाने के लिए अनुमति देने की सहर्ष अनुशंसा

भरवारी कौशाम्बी। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय ,प्रयागराज से सम्बद्ध भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी, कौशांबी को शोध केंद्र विषय गणित बनाने के संदर्भ में प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज के निदेर्शानुसार प्रोफेसर पी०एन० पांडेय, पूर्व विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं पूर्व कुलपति, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, हनुमानगंज, प्रयागराज ने महाविद्यालय के गणित विभाग, पुस्तकालय एवं अन्य संबंधित विभागों - अनुभागों का निरीक्षण किया। प्रोफेसर पांडेय ने भवंस मेहता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० प्रबोध श्रीवास्तव के कुशल प्रबंधन एवं मार्ग निर्देशन की सराहना की तथा गणित विभागाध्यक्ष, डॉ० लक्ष्मी कान्त मिश्र के सुनियोजित कार्य योजना से प्रभावित हुए। उन्होने भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी कौशांबी को शोध केंद्र विषय गणित बनाने के लिए अनुमति देने की सहर्ष अनुशंसा की।

न्यूज झरोखा

उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने की बैठक

कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील के सरसवां स्थित एक गेस्ट हाउस में कौशांबी जिले के समस्त ब्लॉकों के जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के शिक्षकों ने बैठक की बैठक के दौरान शिक्षकों की समस्याओं पर चचाएं हुई इस दौरान शिक्षक धीरेंद्र सिंह ने शिक्षकों के हित के संबंध में विभिन्न मांगों से संबंधित एक ज्ञापन बीएसए को सौंपा है बैठक के दौरान धीरेंद्र सिंह ने कहां कि जिले में सीनियर शिक्षकों को अधिकारियों द्वारा बेहतर कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र दिया जाए दूरदराज से आने वाले शिक्षकों को विद्यालय पहुंचने में यदि देरी हो जाए तो जांच के दौरान अधिकारियों द्वारा उन्हें किसी तरह से परेशान न किया जाए बैठक के दौरान धीरेंद्र सिंह ने कहा कि निपुण भारत में बच्चों का रजिस्ट्रेशन भी शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है उन्होंने कहा कि शिक्षकों को पोर्टल के माध्यम से छुट्टी लेना बहुत कठिन हो चुका है इसके लिए शिक्षकों द्वारा लिखित में दिए गए छुट्टी के प्रार्थना पत्र पर भी छुट्टी दिया जाए इस बैठक में कौशांबी जिला अध्यक्ष गुणेश कुमार शिक्षक केशव प्रसाद विनीत अशोक सिंह समेत चायल सरसावा मंझनपुर सिराथू सर्किल के सैकड़ों शिक्षको ने बीएसए को ज्ञापन देते हुए मौजूद रहे।

अराजक तत्वों ने तोड़ी मूर्ति ,ग्रामीणों में आक्रोश

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के कुरामुरीदन गांव में काली माता की मूर्ति को अराजक तत्वों ने तोड़ दिया सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली सैनी पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी हुई है कुरामुरीदन गांव में ग्रामीणों ने काली माता मंदिर में कुछ दिन पहले धूमधाम से नई मूर्ति की स्थापना किया था जिसे अराजक तत्वों ने तोड़ दिया ये जानकारी जब गांव वालों को हुई तो ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया मौके पर तमाम ग्रामीणों का मजमा लग गया सूचना पर पहुंची सैनी कोतवाली पुलिस ने विखंडित मूर्ति को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर अज्ञात अराजक तत्वों की पहचान में जुट गई है ।वहीं ग्रामीणों ने पुनः काली माता की मूर्ति प्रतिस्थापित कर दी है।

जिला कारागार के बन्दियों को अधिकारों एवं प्ली बारगेनिंग के बारे में दी गई जानकारी

कौशाम्बी। जनपद न्यायाधीश के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आभा पाल की अध्यक्षता में जिला कारागार में प्ली बारगेनिंग एवं बंदियों के विधिक अधिकारों पर जागरूकता एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शिविर में उपस्थित बंदियों को प्ली बारगेनिंग एवं बंदियों के विधिक अधिकारों से सम्बन्धित अधिकार के बारे में बंदियों को जानकारी दी गई तथा उनकी समस्याओं को सुना गया। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता अख्तर अहमद खान द्वारा बंदियों को उनके अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई शिविर में जेल अधीक्षक कारापाल उप जेल अधीक्षक जेल के कर्मचारीगण एवं बंदीगण उपस्थित रहे।

विधिक साक्षरता शिविर का किया गया आयोजन

कौशाम्बी। जनपद न्यायाधीश निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आभा पाल की अध्यक्षता में विषय पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन दलित विकास एवं सामाजिक उत्थान समिति नेहरू नगर गल्ला मण्डी मंझनपुर के प्रोजेक्ट मैनेजर संजय कनौजिया के सौजन्य से आयोजित कराया गया सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सेक्स कर्मियों को मेडिकल से सम्बन्धित सुविधायें बच्चों के लिए शिक्षा उनके अधिकार एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी विस्तार से बतायी गयी शिविर में उपस्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता अख्तर अहमद खान द्वारा सेक्स कर्मियों को उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। शिविर में उपस्थित समिति के मैनेजर संजय कनौजिया द्वारा सभी कर्मियों को जागरूक किया गया।

एकल अभियान के तहत आचार्यों को बांटी गई शिक्षण सामग्री

कौशांबी। एकल अभियान के तहत एकल विद्यालय अभियांचल कौशांबी के संच चायल की मासिक अभ्याष वर्ग मनौरी स्थित बाला जी वाटिका में संपन्न किया गया जिसमे समाज सेवी राजेंद्र केशरवानी ने सरस्वती मां एवं भारत मां की प्रतिमा पर माल्यार्पण किए। माल्यार्पण के पश्चात एकल अभियान की महिला समित अध्यक्ष श्रीमती विनीता गुप्ता द्वारा सभी आचार्य भाई और बहनों को शिक्षण सामग्री वितरित किया गया। वितरण के दौरान अंचल अभियान प्रमुख कृष्ण मूरत संच प्रमुख चायल आशीष कनौजिया,आचार्य काजल ,पूनम ,आकाश , मोनिका,लालती, पिंकी, रूबी , अनूपा,सरिता,उर्मिला,आशा, निशा अनिता,अंजली,विनीता, अंजू,ममता सहित आदि लोग इस दौरान उपस्थित रहें

समाज के युवाओं को शिक्षा से जोड़ना और उनका विकास करना प्रमुख उद्देश्य : भैयालाल

कौशांबी। प्रजापति युवा मंच की बैठक रामप्रसाद प्रजापति की अध्यक्षता में एक गेस्ट हाउस गुलामीपुर में संपन्न हुई बैठक का कुशल संचालन एडवोकेट रवी कांत प्रजापति ने किया बैठक में मुख्य अतिथि प्रजापति भैया लाल कश्यप ने कहा कि समाज के युवाओं को शिक्षा से जोड़ना और उनका विकास करना प्रमुख उद्देश्य है और समाज को एकजुट होना बहुत जरूरी है तभी समाज की तरक्की संभव है बैठक में प्रमुख रूप से श्री महेश प्रजापति भूपेंद्र प्रजापति केदारनाथ प्रजापति बुधराम प्रजापति धर्मेंद्र प्रजापति राम सिंह प्रजापति सत्यम सिंह प्रजापति हरी लाल प्रजापति दिनेश प्रजापति प्रभु दयाल प्रजापति कृष्णकांत प्रजापति बच्ची लाल प्रजापति राजकुमार प्रजापति मिथुन चक्रवर्ती संतोष प्रजापति सूबेदार प्रजापति एडवोकेट राजेंद्र प्रसाद प्रजापति डॉ अनिरुद्ध प्रजापतिआदि सैकड़ों लोग उपस्थित हुए।

सड़क निर्माण में दलितों के साथ मनमानी कर रहे हैं दबंग

कौशांबी। चायल तहसील क्षेत्र के नगर पालिका परिषद भरवारी अंतर्गत मूरतगंज कशिया पूर्व में सड़क का निर्माण कराया जा रहा है लेकिन सड़क के निर्माण में गांव के दबंग अपनी तरफ ज्यादा जमीन छोड़कर दलित गरीबों के घरों की ओर सड़क को मोड़ देना चाहते हैं इस बात का विरोध गरीब दलित लोगों ने किया जिससे आक्रोशित होकर दबंगों ने दलितों को गाली गलौज और उनसे अभद्रता की है दलितों को मारने पीटने के लिए दबंगों ने उन्हें दौड़ा लिया है घर में घुसकर दलितों के साथ अभद्रता की गई है जिससे दलित समाज के लोगों में आक्रोश व्याप्त है मामले की सूचना पीड़ित लोगों ने स्थानीय पुलिस से की है इसके पहले भी दबंग कई बार दलित परिवार के लोगों के साथ गाली गलौज अत्याचार आतंक कर चुके हैं।

रात का खाना देर से खाने से सेहत को होते हैं ये 5 नुकसान

देर रात भोजन करना सेहत को काफी नुकसान पहुंचा सकता है।कई बार समय न होने के कारण अगर आप देर में खाना खाते हैं, तो इससे कोई परेशानी नहीं है। लेकिन अगर आप हर रात देर से खाना खाते हैं और ये आपकी आदत में है, तो ये परेशानी का सबब बन सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार रात को 8 बजे के बाद डिनर करना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है और सोने और खाने के बीच 2 घंटे का गैप होना आवश्यक है। दरअसल खाना लेट खाने से या खाने के तुरंत बाद सो जाने से भोजन ठीक से नहीं पचता और शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमी गति से काम करने लगता है। आइए जानते हैं खाना लेट खाने से किस तरह की समस्याएं हो सकती हैं।

वजन बढ़ सकता है

लगातार लेट खाना खाने से तेजी से वजन बढ़ने की समस्या पैदा हो सकती है। अगर आप वजन को कंट्रोल रखना चाहते हैं, तो खाना खाने और सोने के बीच 2 से 3 घंटे का गैप अवश्य रखें। देर रात डिनर करने से बचें। अगर किसी दिन लेट हो भी जाएं, तो उस रात कुछ हल्का खाएं। रात को फास्ट फूड खाने से बचें।

पाचन में दिक्कत

देर से खाना खाने से खाना पचने में परेशानी होती है, जिस कारण अगली सुबह ठीक से पेट साफ नहीं होता। लगातार रात को देर से खाना खाने से कब्ज और अपच की समस्या भी पैदा हो सकती है। देर से खाया गया खाना आसानी से नहीं पचता, जिस कारण पाचन तंत्र से जुड़ी अन्य समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं।

नींद

लेट खाना खाने की वजह से नींद नहीं आने की समस्या भी हो सकती है। देर रात भोजन करने की वजह से शरीर की नैचुरल साइकिल पर असर पड़ता है, जिस कारण सोते समय व्यक्ति बैचेनी भी महसूस करता है और उसे काफी देर तक नींद नहीं आती। नींद नहीं आने का एक कारण लेट भोजन करना भी हो सकता है।

एनर्जी लेवल होता है कम

देर रात खाना खाने से आप एनर्जी में कमी को महसूस कर सकते हैं। रात में देर से खाना खाने के बाद अगले दिन जब आप उठते हैं, तो आपको कब्ज, सिरदर्द और अन्य समस्याओं के कारण एनर्जी लेवल में कमी महसूस हो सकती है। कई बार लेट भोजन करने से ठीक से नींद भी नहीं आती, जिस कारण दिमाग काफी बोझिल लगने लगता है और एनर्जी लेवल में कमी आती है।

ब्लड प्रेशर और अन्य बीमारियों का खतरा

लगातार लेट खाना खाने की वजह से ब्लड प्रेशर बढ़ने, कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज की समस्या पैदा हो सकती है। दरअसल रेगुलर डिनर लेट करने से आपका वजन बढ़ता है और ब्लड शुगर अनियंत्रित रहता है। इसके कारण आपको बीपी और हार्ट से जुड़ी समस्याएं होने का खतरा बढ़ जाता है।

रात को भोजन सही समय से करने पर शरीर को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है। अगर कभी रात को देर से भोजन करें को ध्यान रखें कि हल्का भोजन करें और खाने में फाइबर की मात्रा को ज्यादा लें। फाइबर पचने में आसान भी होता है और पेट को साफ रखने में भी मदद करता है।

दक्षिण में नयी जमीन तलाशने की कवायदें

भारतीय जनता पार्टी दक्षिण भारत में अपना दायरा बढ़ाने के लिए फिर नये सिरे से रणनीति बनाकर उस पर काम करने में जुट गई है। इस बार कर्नाटक के बाद तेलंगाना पर उसकी निगाहें हैं और वह अपनी तरफ से कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है। इसी के साथ 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भी दक्षिण भारतीय राज?यों के वास?ते लक्ष?य तय किये गये हैं और भाजपा ने अभी से संभावित उम?मीदवारों की पहचान का काम शुरू कर दिया है। तमिलनाडु में तो भाजपा 25 लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष?य लेकर चल रही है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में तो उसका खाता खुल चुका है लेकिन तमिलनाडु और केरल में उसे सफलता नहीं मिली है। पिछले लोकसभा चुनावों में भाजपा आंध्र प्रदेश में खाता नहीं खोल पाई और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को एकतरफा जीत हासिल हुई थी।

भाजपा ने नरेंद्र मोदी के नेतृ?व में देश के अन?य भागों में अपना आधार बढ़ाने के साथ पूर्वोत्तर के राज?यों में सत्ता की कमान अपने हाथ में ले ली है। पश्चिम बंगाल में भी पिछले विधानसभा चुनावों में उसने ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को कड़ी टक्कर दी और सबसे बड़े विपक्षी दल के रूप उभर कर सामने आई। राष?ट्रीय दल के रूप में कांग्रेस का जनाधार लगातार सिकुड़ रहा है और वह जो जमीन खोती गई उस पर पहले क्षेत्रीय पार्टियों ने और फिर भाजपा ने कब?जा करके देश में राजनीतिक दलों के समीकरण को पलट दिया है। राष?ट्रीय दल के रूप में भाजपा का कद तेजी से बढ़ा और अब खुद के बूते सरकार बनाकर अपने वर्चस?व को स?थापित कर चुकी है। फिलहाल उसे कोई खतरा नजर नहीं आता है लेकिन राजनीति में अपने वर्चस?व को हासिल करने के बाद उसे बनाये रखना बड़ी चुनौती होती है इसलिये विस?तारवादी नीति के तहत वह निरंतर काम कर रही है।

भाजपा का दक्षिण भारत प्रेम नया नहीं है, वह अस्तित?व में आने के बाद से लगातार वहां पर जमीन तलाशती रही है। उसे इन राज?यों में हिंदी पार्टी के रूप में जाना जाता था और आजादी के समय से उसे इस ढंग से निरूपित किया गया कि अगर वह सत्ता में आयेगी तो उन पर हिंदी थोप देगी। यह एक ऐसा दंश है जिससे वह अभी तक उबर नहीं पाई है और हाल ही में एक बार जिस तरह से केरल और तमिलनाडु के नेताओं ने नये सिरे से हिंदी विरोध शुरू किया है उससे साफ पता लगता है अब उन?हें भाजपा का खतरा सताने लगा है। भाजपा भी मोदी सरकार की लोकप्रियता को भुनाने के लिये इन राज?यों में अपने जनाधार को मजबूत बनाने में जुटी है। कर्नाटक में वह डेढ़ दशक पहले अपनी सरकार बनाने में कामयाब रही थी और वहां के कद्दावर लिंगायत नेता बीएस येदियुरप?पा अभी भी उसके लिये तुरुप का पत्ता हैं। यही वजह है कि भाजपा ने हाल में अपनी सर्वोच?च नीति निर्धारक इकाइयों भाजपा संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति का जब पुनर्गठन किया तो उन?हें पहली बार स?थान दिया गया। उम्र के 75 वर्ष पार करने के बाद येदियुरप?पा को मुख?यमंत्री पद छोड़ने के लिये बाध?य होना पड़ा था लेकिन भाजपा कर्नाटक के साथ पूरे दक्षिण भारत में संदेश देना चाहती थी कि येदियुरप?पा अभी भी उसके लिये उतने अहम हैं जितने पहले थे।

अब भाजपा की निगाहें तेलंगाना पर हैं जहां अगले साल के अंत में चुनाव होने हैं। पिछले लोकसभा चुनावों में भाजपा का मत प्रतिशत लगभग 20 फीसदी रहा था और उसे राज?य की 17 में चार लोकसभा सीटें मिली थीं। सबसे ज?यादा नौ सीटें तेलंगाना राष?ट्र समिति (टीआरएस) को मिली थीं। इसके बाद वृहत हैदराबाद नगर निगम चुनावों में भाजपा को बड़ी सफलता मिली और तब से उसका मनोबल ऊंचा है। भाजपा ने पिछले महीने हैदराबाद में राष?ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की और कार्यकारिणी के सभी सदस?यों ने तेलंगाना के 119 विधानसभा क्षेत्रों में संपर्क अभियान में हिस?सा लिया जिससे वह एक बार फिर जनता से सीधे संवाद कायम करने में काफी हद तक सफल रही।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछली बार वृहत हैदराबाद नगर निगम के चुनावों के दौरान जब रोड शो किया था तो उन?हें भारी जनसमर्थन मिला था। यही नहीं उसके नतीजों ने राज?य में टीआरएस को झकझोर दिया था। नगर निगम के 150 वार्डों में टीआरएस को 55, भाजपा को 48 और असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम को 44 वार्डों में जीत मिली थी। भाजपा ने बैठक के अंतिम दिन हैदराबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली आयोजित की जिससे न केवल राज?य की जनता रिझाने में बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं में नया जोश भरने में मदद मिली होगी। अमित शाह ने पिछले दिनों तेलंगाना के मुनुगौडा विधानसभा सीट के उपचुनाव में चुनावी रैली की जहां से कांग्रेस विधायक कोमाटी रेड्डी राजागोपाल रेड्डी इस?तीफा देकर भाजपा के टिकट पर दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं। अमित शाह ने दावा किया कि इसी के साथ राज?य में के. चंद्रशेखर राव की सरकार के गिने-चुने दिन रह गये हैं। ऐसी अटकलें हैं कि तेलंगाना में टीआरएस समय से पहले विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी कर रही है, जैसा कि उसने पिछली बार 2018 में किया था और भाजपा इसे एक बेहतर मौके के रूप में लेकर इस अवसर को गंवाना नहीं चाहती है।

पिछले दिनों आंध्र प्रदेश के मुख?यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई सिलसिलेवार मुलाकातों ने भाजपा और वाईएसआर कांग्रेस के बीच नजदीकियां बढ़ने की अटकलों को तेज किया है। दरअसल, बिहार में नीतीश कुमार के एक बार फिर भाजपा से नाता तोड़ने से नये राजनीतिक समीकरण बने हैं और भाजपा बाकी राज?यों में अपना जनाधार बढ़ाने के लिए नये सहयोगी दल की तलाश में है। अटल-आडवाणी की सरकार के समय तेलगु देशम पार्टी से भाजपा का नाता बेहतर रहा था लेकिन समय के साथ वाईएसआर कांग्रेस ने उसे आंध्र प्रदेश में हाशिये पर डाल दिया है। वह केंद्र की भाजपा सरकार से रिश?ते बेहतर कर अपना हित साधना चाहती है। राष?ट्रपति और उपराष?ट्रपति के चुनावों में उसने भाजपा समर्थित उम?मीदवार के पक्ष में मतदान किया जिससे यह संदेश गया कि वाईएसआर कांग्रेस विपक्ष के ऐसे किसी साझा निर्णय का साथ नहीं देना चाहती जिसमें कांग्रेस शामिल हो।तमिलनाडु में अन?नाद्रमुक के बिखराव की राह पर चलने के कारण भाजपा को अपना हित सधने की उम?मीदें हैं और वह 2024 के लोकसभा चुनावों में 25 सीटें जीतने का लक्ष?य लेकर चल रही है जो उसके लिये टेढ़ी खीर जैसा है। दरअसल वहां द्रमुक-कांग्रेस का गठबंधन पहले से ही बहुत मजबूत स्थिति में है और अन?नाद्रमुक को होने वाले संभावित नुकसान का यह गठबंधन कहीं ज?यादा फायदा उठा सकता है। वहीं केरल में भाजपा की स्थिति वोट प्रतिशत के लिहाज से चुनाव-दर-चुनाव बेहतर हो रही है लेकिन वहां मौजूद लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के बीच ही सीधा मुकाबला रहता है। भाजपा को मोदी मैजिक पर भरोसा है और वह उसे कर्नाटक के बाद तेलंगाना के जरिये बाकी दक्षिण भारतीय राज?यों में आजमाना चाहती है।

सम्पादकीय

भर्ती की शर्त

यह खबर हरियाणा के लाखों छात्रों के लिए सुकून देने वाली है कि अगले शैक्षणिक सत्र से पहले ग्यारह हजार नये शिक्षकों की भर्ती होगी। शिक्षकों की कमी से जूझते स्कूलों के लिये यह घोषणा निस्संदेह राहतकारी है। साथ ही राज्य के लाखों बेरोजगार शिक्षकों के लिये भी नई उम्मीद की किरण है, बशर्ते अन्य बातें समान रहें। राज्य में नियुक्तियों से जुड़े विवाद व परीक्षा की अनियमितताओं के चलते अदालत के हस्तक्षेप के मामले विगत में प्रकाश में आते रहे हैं। बहरहाल, कुछ सरकारी स्कूलों को बंद करने को लेकर की जा रही राजनीति पर कुछ समय के लिये विराम जरूर लगेगा। दरअसल, शिक्षकों की कमी के चलते रेशनेलाइजेशन के कदम को लेकर राज्य में लगातार बयानबाजी होती रही है। सत्तारूढ़ दल व विपक्षी कांग्रेस द्वारा एक दूसरे के कार्यकाल में स्कूलों के बंद होने व विलय के आंकड़ों को लेकर दावे-प्रतिदावे किये जाते रहे हैं। कभी-कभी लगता है कि देश की शिक्षा व्यवस्था राजनीति की प्रयोगशाला बन गयी है। नियुक्तियों को लेकर कई राज्यों में तमाम विवाद सामने आये हैं। हरियाणा में ही कई दिग्गज नेता इन आरोपों में घिरे हैं। ताजा मामला पश्चिम बंगाल का है। लगता है कि शिक्षा व्यवस्था राजनेताओं के लिये कामधेनु बन चुकी है। बहरहाल, राज्यों में शिक्षकों की नियुक्ति व व्यावहारिक दिक्कतों को लेकर तार्किक व्याख्या की जानी चाहिए। इस सवाल पर गंभीर विमर्श होना चाहिए कि सरकारी स्कूलों से निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों का मोह भंग क्यों हो रहा है। क्यों निजी स्कूलों की महंगी चकाचौंध अभिभावकों व उनके बच्चों को मंत्रमुग्ध कर रही है। वह भी तब जब सरकारी स्कूलों में योग्य शिक्षकों व संरचनात्मक ढांचे में कोई कमी नहीं है। कहीं न कहीं सरकारी स्कूलों में पढ़ाई 21वीं सदी के समाज की आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं ढाली जा सकी है। कहीं न कहीं अभिभावकों में यह सोच घर करती जा रही है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थी महंगे पब्लिक स्कूलों से निकले फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने वाले छात्रों का मुकाबला नहीं कर पायेंगे।

बहरहाल, अकसर एक दलील दी जाती रही है कि यदि नेताओं व नौकरशाहों के बच्चों के लिये सरकारी स्कूलों में पढ़ना अनिवार्य कर दिया जाये तो सरकारी स्कूलों का कायाकल्प हो सकता है। सरकारी स्कूलों के प्रति सत्ताधीशों व शीर्ष अधिकारियों की उदासीनता कहीं न कहीं इस दलील को पुष्ट करती नजर आती है। दरअसल, शिक्षा को लेकर तमाम प्रयोगों व समय-समय पर बैठने वाले राष्ट्रीय शिक्षा आयोगों की सिफारिशों के बावजूद सरकारी स्कूलों की दशा सुधरती नजर नहीं आती। सुधार के प्रति राजनीतिक उदासीनता व तंत्र की विसंगतियां भी लक्ष्य पाने में बाधक बनी हैं। दरअसल, राज्यों में केंद्रीय स्तर पर सरकारी स्कूलों से जुड़ी व्यवस्था पर संवेदनशील ढंग से निगरानी की जरूरत है। यह ध्यान में रखते हुए कि देश व राज्यों में व्याप्त आर्थिक विषमता के चलते गरीबों बच्चों का अंतिम सहारा सरकारी स्कूल ही है। श्रमिक वर्ग व वंचित समाज के लोगों के बच्चे मिड डे मील जैसी सुविधाओं के चलते कुपोषण से बच पाते हैं। वहीं राजग सरकार के दौरान घोषित नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि स्कूलों में छोटी कक्षाओं से ही कौशल विकास की प्रवृत्ति विद्यार्थियों में विकसित की जाये। ताकि वे सरकारी नौकरी में भविष्य तलाशने के बजाय अर्जित कौशल से अपने पैरों पर खड़े हों। यह जानते हुए कि सरकारी नौकरियों का संकुचन लगातार जारी है छात्र-छात्राओं में मौलिक हुनर विकसित किया जाये। हरियाणा जैसे राज्य में, जिसकी खेल प्रतिभाओं ने पूरी दुनिया में धूम मचायी है, वहां खेल नर्सरियों की शुरुआत सरकारी स्कूलों से की जाये। यदि सरकारी स्कूल बच्चों के भविष्य के प्रति गंभीर होकर समय से कदमताल मिलाएंगे तो कोई वजह नहीं है कि सरकारी स्कूलों में फिर से बहार न आ पाये। ये वक्त की जरूरत भी है। सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को भी एक कर्मचारी के बजाय एक गुरु का गुरुतर दायित्व निभाना होगा

भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम के किंतु-परंतु

पिछली सदी के साठ के दशक के आखिरी दिनों से शायद ही कोई चुनाव हो, जिसका एक बड़ा मुद्दा भ्रष्टाचार का खात्मा न रहा हो, लेकिन भ्रष्टाचार ऐसा रक्तबीज बन गया कि वह खत्म होने का नाम नहीं ले रहा बल्कि बढ़ा जा रहा है। ऐसे माहौल में कभी कोई शीर्ष नेतृत्व भ्रष्टाचार पर मुकम्मल लगाम की बात करता है तो इसके पीछे भी राजनीति देखी जाने लगती है। हाल ही में केंद्रीय जांच ब्यूरो की कार्रवाई को भी राजनीति से ही जोड़कर देखा जा रहा है। चाहे शराब नीति लागू करने में हुई अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर और दफ्तर पर सीबीआई की छापेमारी हो या फिर बिहार में महागठबंधन की सरकार के विश्वासमत हासिल करने के ठीक पहले राष्ट्रीय जनता दल से जुड़े नेताओं के घरों और कार्यालयों पर छापेमारी हो।

सीबीआई की छापेमारी को लेकर राजनीति के आरोप को उसकी टाइमिंग की वजह से बल मिला। राष्ट्रीय जनता दल को कहने को मौका मिल गया कि चूंकि बिहार में भाजपा सरकार से बाहर हो गई है, इसी खीझ में वह राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं के ठिकानों पर छापेमारी करा रही है। बिहार के उपमुख्यमंत्री ने यहां तक कह दिया कि छापेमारी से भाजपा की केंद्र सरकार जनता दल यू और राष्ट्रीय जनता दल के विधायकों को डराने की कोशिश कर रही है ताकि विधायक टूट जाएं।कुछ ऐसी ही स्थिति दिल्ली में मनीष सिसोदिया के घर हुई छापेमारी को लेकर भी हुई। दिल्ली की नई शराब नीति पर आरोप है कि इससे न सिर्फ नियमों की अनदेखी की गई, बल्कि राजस्व का करीब तीन हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। आरोप है कि सरकार ने अपने लोगों को फायदा पहुंचाया। आप पार्टी इस साल के अंत तक होने वाले गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनावों में गंभीरता से लड़ने की तैयारी में है। भाजपा चूंकि इन राज्यों में सत्ता में है, इसलिए विरोधी आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा की केंद्र सरकार के निशाने पर इसीलिए केजरीवाल हैं। हालांकि भाजपा इससे इनकार कर रही है। दिलचस्प यह है कि जिस दिन मनीष सिसोदिया पर सीबीआई ने छापा मारा, उसी दिन उनके दिल्ली के कथित शिक्षा मॉडल को लेकर न्यूयॉर्क टाइम्स और खलीज टाइम्स में स्टोरी छपी थी। इसका हवाला देते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बयान दिया कि मनीष सिसोदिया को भारत रत्न मिलना चाहिए, लेकिन उन्हें सीबीआई के जरिए तंग किया जा रहा है।चाहे अरविंद केजरीवाल का बयान हो या फिर मनीष सिसोदिया या बिहार के तेजस्वी का, इन नेताओं ने सीबीआई छापे को लेकर दिए अपने बयानों के जरिए अपने वोटरों को भरोसा दिलाने की कोशिश की। भरोसा यह कि उन्होंने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया है। बल्कि उन्हें नीतीश कुमार के साथ सरकार बनाने के लिए तंग किया जा रहा है। आजकल जिस तरह की राजनीति हो रही है और वोटरों की जो सोच है, वह इस तथ्य की ओर ध्यान नहीं देता कि राजनीति में आने के पहले जिन नेताजी को बमुश्किल घर खर्च चल पा रहा था, चुनाव जीतने या सत्ता में आने के बाद उन्होंने कौन सा कारोबार कर लिया कि उनकी संपत्ति इतनी हो गई कि सात पीढ़ियां भी मौज कर सकें। अव्वल तो जनता को इन सवालों से जूझना चाहिए, लेकिन जिस तरह हमने लोकतांत्रिक राजनीति को विकसित किया है, उसमें मतदाता जातियों में बंट गए। उन्हें अपनी जातियों के नेताओं में कोई दाग नजर नहीं आता, बल्कि उस पर पड़ने वाले भ्रष्टाचार के छींटे विपक्षी दल या सत्ता पक्ष की कारगुजारी लगने लगती है।

वैसे विपक्ष को सीबीआई को हथियार बनाने का आरोप लगाने का मौका इसलिए मिलता है कि क्योंकि भ्रष्टाचार को लेकर सीबीआई या प्रवर्तन निदेशालय के घेरे में भाजपा के नेता नहीं आ रहे। साल 2019 में पूर्व वित्त और गृहमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम के खिलाफ जब सीबीआई ने कार्रवाई की थी तो उसे भी राजनीति से ही प्रेरित बताया गया था। कुछ महीने पहले जब महाराष्ट्र के महाविकास अघाड़ी के नेताओं नवाब मलिक और अनिल देशमुख के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने कार्रवाई की तो उसे भी राजनीति से प्रेरित बताया गया। लेकिन सवाल यह है कि जब राजनीति से प्रेरित ही ये सारी कार्रवाइयां हैं तो अदालतों से इन नेताओं को राहत क्यों नहीं मिल रही है? क्यों ज्यादातर नेता जेलों में बंद हैं?आज की राजनीति इस कदर खांचे में बंट गई है कि उसके असर में वोटर भी बंट गए हैं। तकरीबन हर तरह मतदाता अपने नेताओं को सही और दूसरे नेताओं को गलत मानने लगा है। दरअसल ईमानदारी को लेकर जो सामूहिक सोच होनी चाहिए थी, वह लगातार कम हो रही है और शायद यही वजह है कि सीबीआई या प्रवर्तन निदेशालय की वाजिब कार्रवाई को राजनीति का हथियार बताया जाने लगता है। इसका चुनावी फायदा भी उठाया जाता है।

इसी वजह से भ्रष्टाचार की कहानियां और उनके खिलाफ होने वाली जांचें अक्सर बेअसर रह जाती हैं।यह बात और है कि लाल किले से प्रधानमंत्री ने जो घोषणा की है, उसका संकेत साफ है। अब सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में किसी को ढील देने के मूड में नहीं है। चाहे इसके लिए उस पर राजनीति के कितने ही आरोप लगें। चूंकि यह सरकार भी लोकतंत्र की ही देन है और भाजपा को भी मौजूदा लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बीच ही रहना है, इसलिए उसे राजनीतिक बदले की भावना से सीबीआई या प्रवर्तन निदेशालय को हथियार बनाने के आरोपों का मुकम्मल जवाब भी तैयार रखना होगा। ताकि लोग भी जान सकें कि जिनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है, उसकी ठोस वजह उनका भ्रष्टाचार है या फिर राजनीति।

आगरा की दिव्यांशी ने गोरखपुर की आदित्या को दी मात

लखनऊ। योनेक्स सनराईज श्री सुविधा फाउंडेशन उप्र (अंडर-15 व 17) बैडमिंटन प्रतियोगिता के तीसरे दिन क्वार्टर फाइनल व सेमी फाइनल मैच खेले गये। इसमें अंडर 15 आयु वर्ग में लखनऊ के शिवम यादव ने प्रयागराज के शुभम यादव को सीधे सेटों में मात देकर सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं एकल बालिका अंडर-17 में नोएडा की रागिनी जैन ने प्रयागराज की अर्शी मिश्रा को सीधे सेटों में मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सेमी फाइनल में आगरा की दिव्यांशी ने गोरखपुर की आदित्या को मात दी। गोमतीनगर स्थित बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चार दिवसीय प्रतियोगिता के तीसरे दिन लगभग 30 मैच हुए। इसमें युवा खिलाड़ियों में काफी उत्साह रहा। लखनऊ के शिवम यादव ने प्रयागराज के शुभम को 21-15, 21-10 से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं लखनऊ के कार्तिक ने कानपुर के सुमित जायसवाल को 30-20 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जबकि नोएडा की रागिनी जैन ने प्रयागराज की अर्शी मिश्रा को 22-20, 23-21 से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

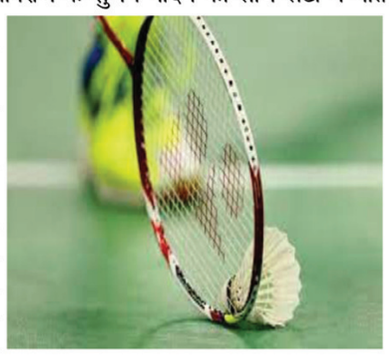

राष्ट्रमंडल खेलों का हॉकी फाइनल नहीं खेलना निराशाजनक था : विवेक सागर प्रसाद

नई दिल्ली। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद ने कहा कि वह घुटने की चोट के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में नहीं खेल पाने से काफी निराश थे। भारत को राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में आस्ट्रेलिया से 0-7 से हार मिली थी जिससे उसे रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। विवेक ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा- आस्ट्रेलिया के खिलाफ राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में नहीं खेलने से मैं निराश था। उन्होंने कहा- इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में खेलना किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत बड़ी बात है। अच्छा खेलकर फाइनल में पहुंचना और फिर चोट के कारण फाइनल में नहीं खेल पाना मेरे लिए निराशाजनक था। विवेक ने कहा- मैं फाइनल में अपनी टीम के साथ होना चाहता था। लेकिन खेलों में ऐसा होता है। इसलिये हम इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते। ये विवेक के दूसरे राष्ट्रमंडल खेल थे, 2018 में गोल्ड कोस्ट चरण में वह टीम में सबसे युवा खिलाड़ी थे जो पदक के बिना स्वदेश लौटी थी। उन्होंने कहा- 2018 राष्ट्रमंडल खेल में तब बहु स्पर्धा खेल प्रतियोगिता में मेरा पहला अनुभव था। मैं काफी युवा और काफी रोमांचित था। लेकिन बतौर टीम यह हमारे लिए काफी निराशाजनक था। इस बार हम अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध थे लेकिन फिर फाइनल में चीजें योजना के अनुसार नहीं हुई।

भूटिया ने फीफा के फैसले का स्वागत किया, कहा यह बदलाव का समय है

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल के दिग्गज बाइचुंग भूटिया ने विश्व फुटबाल की संचालन संस्था फीफा के अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने के फैसले का स्वागत किया और कहा कि यह व्यवस्था में बदलाव करने का समय है। उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रशासकों की समिति को बर्खास्त करने के बाद फीफा ने एआईएफएफ लगाया गया प्रतिबंध हटा दिया जिससे भारत का फीफा अंडर 17 महिला विश्व कप की मेजबानी करने का रास्ता भी साफ हो गया। भूटिया ने कहा- यह शानदार खबर है। मैं फीफा के एआईएफएफ पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने के फैसले का स्वागत करता हूं। यह भारतीय फुटबॉल की जीत है। उन्होंने कहा- मैं अपने युवा खिलाड़ियों के लिए खुश हूं क्योंकि अब उन्हें महिला अंडर-17 विश्वकप में अपने आयु वर्ग की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिलेगा। फीफा ने 15 अगस्त को तीसरे पक्ष के अनुचित प्रभाव का हवाला देकर एआईएफएफ पर प्रतिबंध लगा दिया था। एआईएफएफ के दो सितंबर को होने वाले चुनाव में अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल भूटिया ने कहा कि यह देश के फुटबॉल प्रशासन में बदलाव का समय है ताकि भविष्य में निलंबन की किसी स्थिति से बचा जा सके।

नीरज ने ओलिम्पिक म्यूजियम को भेंट की अपनी टोक्यो ओलिम्पिक जैवलिन

लुसान। भारत के जैवलिन थ्रो एथलीट और टोक्यो ओलिम्पिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने टोक्यो 2020 की अपनी जैवलिन ओलिम्पिक म्यूजियम को भेंट की। भारत के प्रथम ओलिम्पिक गोल्ड मेडलिस्ट निशानेबाज अभिनव बिंद्रा भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। नीरज ओलिम्पिक स्वर्ण जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय हैं। इससे पहले बिंद्रा ने बीजिंग 2008 में स्वर्ण जीतने वाली राइफल को ओलिम्पिक म्यूजियम को भेंट किया था, और अब नीरज की जैवलिन भी बिंद्रा की राइफल से जा मिली।

नीरज ने अपनी जैवलिन म्यूजियम के सुपुर्द करते हुए कहा- मैं इस अवसर के लिए शुक्रगुजार हूं। ओलिम्पिक म्यूजियम की प्रतिष्ठित गैलरी एक ऐसी जगह है, जहां ओलिम्पिक

इतिहास को प्रदर्शित किया जाता है, और यहां शामिल होना सौभाग्य का क्षण है। दूसरों को प्रेरित करना किसी भी एथलीट के लिए गौरव का क्षण होता है।

आईओसी एथलीट आयोग के सदस्य बिंद्रा ने कहा- इस पल को देखने और इसे नीरज के साथ साझा करने में सक्षम होना खुशी की बात है। टोक्यो में नीरज के कारनामों ने लाखों लोगों को प्रेरित किया और मुझे खुशी है कि उनकी जैवलिन अब ओलिम्पिक संग्रहालय में मेरी राइफल के साथ है, जो अब तक भारतीय साथियों के मामले में थोड़ी अकेली रही है।

ओलिम्पिक संग्रहालय को दान की गई वस्तुएं उनके समय का प्रतीक बन जाती हैं, क्योंकि वे आईओसी की विरासत प्रबंधन टीम द्वारा प्रबंधित 120 साल के समृद्ध संग्रह में शामिल हो जाती हैं। इस संग्रहालय में 90,000 से अधिक कलाकृतियों का अधिग्रहण, संरक्षण, बहाली, अध्ययन और साझाकरण, 650,000 तस्वीरें, 45,000 घंटे के वीडियो और 1.5 किमी ऐतिहासिक अभिलेखागार शामिल हैं।

जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष चुने संजय कुमार जैन

किशनगंज। दिगंबर जैन भवन में जिला क्रिकेट संघ के 5 पदों पर चुनाव हुआ। चुनाव पदाधिकारी डॉ कुमार शैलेंद्र ने बताया कि सभी पांचों उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं जिसमें अध्यक्ष पद पर संजय कुमार जैन, उपाध्यक्ष पद पर तारिक इकबाल, सचिव पद पर प्रवेज आलम गुड्डू, संयुक्त सचिव पद पर वीर रंजन एवं कोषाध्यक्ष पद पर मो मुनव्वर चुने गए। बिहार क्रिकेट संघ के पर्यवेक्षक प्रफुल्ल रंजन वर्मा के देख रेख में चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। इस मौके पर जिला क्रिकेट संघ से संबंधित सभी क्लब के पदाधिकारी एवं संघ के सभी पूर्व पदाधिकारी मौजूद रहे। जिन्होंने नई कार्यकारिणी को आगे के कुशल नेतृत्व की ढेर सारी शुभकामनाएं दी। तदुपरांत जिला क्रिकेट संघ का एजीएम जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

मौके पर सचिव प्रवेज आलम गुड्डू एवं समस्त जिला कार्यकारिणी मौजूद थे, बैठक में जिला लिग एवं ग्राउंड संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

शीर्ष चक्का फेंक महिला एथलीट नवजीत कौर ढिल्लों डोप जांच में विफल

नई दिल्ली। शीर्ष भारतीय चक्का फेंक एथलीट नवजीत कौर ढिल्लों पिछले महीने विश्व चैम्पियनशिप से पहले विदेश में 'एथलेटिक्स इंटीग्रिटी' इकाई (एआईयू) द्वारा 'टूर्नामेंट से बाहर' की गयी डोप जांच में विफल रहीं। नवजीत ने गोल्ड कोस्ट 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था लेकिन वह आठ अगस्त को समाप्त हुए बर्मिंघम खेलों में आठवें स्थान पर रही थीं।

इसकी जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा- हां, वह (नवजीत कौर ढिल्लों) एआईयू द्वारा की गयी डोप जांच में फेल हो गयी हैं। अगर आप धोखा देने की कोशिश करते हो तो पकड़े जाते हो। सत्ताईस साल की नवजीत ने जून में चेन्नई में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैम्पियनशिप में 55.67 मीटर दूर चक्का फेंककर और 25 जून को कजाखस्तान के अलमाटी में कोसानोव मेमोरियल मीट में 56.24 मीटर के थ्रो से स्वर्ण पदक जीता था। लेकिन बर्मिंघम

में उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 53.51 मीटर रहा था। उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58.03 मीटर का है और उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2018 में 59.18 मीटर का था। एआईयू ने उनकी जांच कहां की है, अभी यह पता नहीं है लेकिन उनके नमूने में जो पदार्थ पाया गया है वह प्रतिबंधित स्टेरॉइड है जिससे उन पर अस्थायी निलंबन लगना चाहिए। सूत्र ने कहा- पूरी संभावना है, एआईयू ने अलमाटी में यह जांच की है, तुर्की में नहीं। उसने जून में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था और वहां नाडा ने उसकी जांच की होगी।

एशिया कप : पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले भारतीय टीम से जुड़े राहुल द्रविड़

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ कोरोनावायरस से उभरने के बाद रविवार को टीम के साथ दुबई में शामिल हुए। द्रविड़ की अनुपस्थिति में वीवीएस लक्ष्मण भारत के अभियान की तैयारी के चरण की देखरेख कर रहे थे। जब भारतीय टीम रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप का पहला मैच खेलेगी तब द्रविड़ डगआउट में मौजूद होंगे।

राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के निदेशक लक्ष्मण के बेंगलुरु जाने की उम्मीद है, जहां वह भारत-ए टीम के साथ जुड़ेंगे जो न्यूज़ीलैंड-ए के खिलाफ एक सितंबर से शुरू होने वाली लाल गेंद श्रृंखला के लिए तैयारी कर रही है। लक्ष्मण दुबई के लिए हरारे से रवाना हुई थे, जहां वह केएल राहुल के नेतृत्व वाली भारतीय टीम के कोच थे। भारत ने तब जिम्बाब्वे को 3-0 से हराया था। वह इससे पहले आयरलैंड टी20 दौरे और इंग्लैंड में पहले टी20 के लिए भी कोचिंग सेट-अप

का हिस्सा थे। लक्ष्मण जिम्बाब्वे दौरे के बाद भारत लौटने वाले थे, लेकिन पिछले सप्ताह द्रविड़ को 'हल्के कोविड लक्षणों का अनुभव' होने के बाद उन्हें कार्यभार संभालने के लिए कहा गया था। भारतीय खिलाड़ी 23 अगस्त को दुबई में एकत्रित हुए और एक दिन बाद प्रशिक्षण शुरू किया। पाकिस्तान के खिलाफ अपने खेल की पूर्व संध्या पर एक वैकल्पिक सत्र होने से पहले, उन्होंने कौशल पर जोर देने के साथ तीन दिनों का कठोर प्रशिक्षण लिया।

सुमरिवाला का दावा, उन्हें आईओए अध्यक्ष नियुक्त किया गया, महासचिव ने इसे खारिज किया

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में गुटबाजी फिर देखने को मिली जब उपाध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने दावा किया कि कार्यकारी परिषद द्वारा उन्हें अध्यक्ष नियुक्त किया गया है लेकिन महासचिव राजीव मेहता ने आईओए संविधान के अनुसार इसे 'तर्कहीन' करार दिया।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) अध्यक्ष थॉमस बाक और आईओए सदस्यों को लिखे पत्र में सुमरिवाला ने कहा कि उन्हें ''जुलाई 2022 के पत्र के माध्यम से कार्यकारी परिषद के ज्यादातर सदस्यों द्वारा मिलकर आईओए अध्यक्ष चुना गया है।''

उन्होंने पत्र में लिखा, ''आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने 18.07.2022 को निजी कारणों से इस पद से इस्तीफा दे दिया था जिससे यह पद खाली हो गया। इसके बाद 31 में से 18 कार्यकारी सदस्यों ने आईओए संविधान के अनुच्छेद 11.1.5 के अनुसार इस पद को भरने के लिये मिलकर हस्ताक्षर करने वाले

(उन्हें) को चुना।''

आईओए के नौ उपाध्यक्षों में से एक और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के भी अध्यक्ष सुमरिवाला ने कहा, ''मैं कार्यकारी परिषद के ज्यादातर सदस्यों द्वारा चुने जाने के बाद आईओए अध्यक्ष पद को स्वीकार करता हूं।''

वहीं मेहता ने कहा कि आईओए की कार्यकारी परिषद दिसंबर 2021 से ही अस्तित्व में नहीं है क्योंकि अधिकारियों के चुनाव कराये जाने है और केवल सीनियर उपाध्यक्ष ही चुनाव तक अध्यक्ष पद पर बैठ सकता है।

मेहता ने पूछा, ''कार्यकारी परिषद (2017-21) का कार्यकाल दिसंबर 2021 में समाप्त हो गया था, फिर कार्यकारी परिषद के ज्यादातर सदस्यों का उन्हें (सुमरिवाला को) नियुक्त करने का सवाल ही कहां पैदा होता है?'' उन्होंने कहा, ''यहां तक कि आईओए की आधिकारिक बैठक के लिये भी अदालत से अनुमति ले रहे हैं ताकि आईओसी पत्र से उठने वाले मुद्दों पर चर्चा की जा सके क्योंकि दिल्ली उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में चुनावों से संबंधित मामला लंबित है।'' मेहता ने कहा कि सुमरिवाला का दावा आईओए संविधान और देश की कानूनी प्रक्रिया के भी खिलाफ है।

सबको हाय लगी मेरी, एशिया कप में हसन अली की वापसी पर लोगों ने लिए मजे

दुबई। एशिया कप 2022 की शुरूआत हो चुकी है। भारत अपने अभियान की शुरूआत चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ करेगा और मैच आज शाम को दुबई में खेला जाएगा। मैच से पहले पाकिस्तान टीम हसन अली को टीम में शामिल किया गया है। लेकिन हसन अली को टीम में रखने की बात लोगों को रास नहीं आई और उन्हें ट्रोल किया जा रहा है।

हसल अली को ट्रोल करते हुए सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा, जिंदगी में पहले से बहुत दुख है ऊपर से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हसन अली को वापस बुला लिया, सएशिया कप 2022। एक अन्य यूजर ने ट्रोल करते हुए कहा, हसन अली 12वें खिलाड़ी

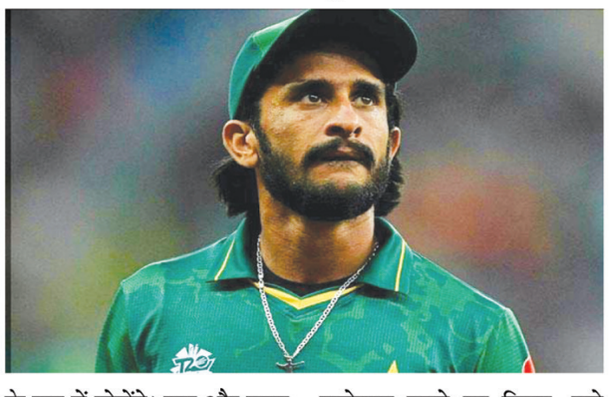

के रूप में खेलेंगे। एक और यूजर ने हसन अली के बारे में लिखा, हसन अलीः कभी कभी लगता है अपुन ही भगवान है। वहीं एक यूजर ने हसन अली का हैशटैग इस्तेमाल करते हुए लिखा, मुझे कोई नहीं रोक सकता, कितनों ने मुझे रोकना चाहा लेकिन मेरी बदुआ लगी सबको और मैं फिर से आ गया। हसन अली काम तमाम करेगा किसका ये नहीं पता। हालांकि कुछ लोगों ने हसन अली की का समर्थन भी किया और कहा कि उन्हें इस मौके का सही उपयोग करना चाहिए जबकि कुछ नहीं उनकी चैम्पियंस ट्रॉफी वाली फॉम की वापसी की कामना भी की। गौर हो कि तेज गेंदबाज मोहम्मद वसीम जूनियर के साइड स्ट्रेन के चलते एशिया कप से बाहर हो गए हैं। इस कारण चयनकर्ताओं ने हसन अली को उनके विकल्प के तौर पर टीम में शामिल किया। इससे पहले तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी भी चोटिल होने के बाद टीम के बाहर हैं।

इंगलैंड ने दूसरा टेस्ट 3 दिन में जीता, James Anderson के 950 विकेट पूरे

लंदन। लंदन में दक्षिण अफ्रीका से पहले टेस्ट में मिली हार का इंगलैंड ने दूसरे टेस्ट में बदला ले लिया। इंगलैंड ने लंदन टेस्ट तीन दिन में गंवाया था। अब द. अफ्रीका के खिलाफ मैनचैस्टर के मैदान पर खेला गया दूसरा टेस्ट इंगलैंड ने भी तीन दिन में जीतकर सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। इंगलैंड की जीत में तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का बड़ा योगदान रहा जिन्होंने दोनों पारियों में 3-3 विकेट लेकर अफ्रीकी बल्लेबाजों को उठने का मौका नहीं दिया। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में महज 151 रन बनाए थे। मैनचैस्टर की तेज पिच पर जेम्स एंडरसन, स्टुअर्ट ब्रॉड की तेज गेंदों पर कोई भी अफ्रीकी बल्लेबाज टिक नहीं पाया। सबसे

ज्यादा 36 स्कोर कागिसो रबाडा ने बनाए। उसी के कारण द. अफ्रीका 151 रन तक पहुंचने में सफल रहा। एंडरसन ने तीन, ब्रॉड ने तीन तो स्टोक्स दो विकेट लेने में सफल रहे।जवाब में खेलने उतरी इंगलैंड टीम ने पहली पारी में नौ विकेट खोकर 415 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। इंगलैंड की ओर से टॉप क्रम फेल होने पर बेयरस्टो ने 49 रन बनाए। कप्तान बेन स्टोक्स ने 103 तो बेन फोक्स ने 113 रन बनाए। अफ्रीका की ओर से एनरिक नोर्त्जे ने 82 रन देकर तीन विकेट लिए। रबाडा और महाराज ने 2-2 विकेट लिए। पहली पारी में पिछड़ने के बाद अफ्रीका के बल्लेबाजों पर बड़ी जिम्मेदारी थी। लेकिन टॉप क्रम विफल होने के कारण पूरी टीम 179 रन पर आऊट हो गई। सबसे ज्यादा 42 रन कीगन पीटरसन ने बनाए। वेन दूसें ने भी 41 रन बनाए। इंगलैंड की ओर से जेम्स एंडरसन ने 30 रन देकर तीन तो ओली रॉबिन्सन ने 43 रन देकर 4 विकेट लिए।

एशिया कप 2022 : अफगानिस्तान ने महज 10.1 ओवर में श्रीलंका को हराया

लंदन। एशिया कप 2022 के पहले ही मैच में बड़ा उलटफेर करते हुए अफगानिस्तान ने श्रीलंका को 9 विकेट से हरा दिया। दुबई के मैदान पर खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। श्रीलंका ने पहले खेलते हुए केवल 105 रन बनाए। भानुका राजपक्षे 38 तो चमिका करुणारत्ने ने 31 रन बनाए। अफगानिस्तान के सामने 106 रनों का लक्ष्य था जिसे गुरबाज और जजई के कारण अफगानिस्तान ने महज 10.1 ओवर में 8 विकेट से जीत लिया।

श्रीलंका (पहली पारी)

श्रीलंकाई टीम की शुरूआत बेहद खराब रही। फजलहक फारूखी ने पहली ही ओवर में कुसल मेंडिस फिर बाद में चैरिथ असलांका को आऊट कर दिया। दूसरे ओवर में नवीन उल हक ने निसांका को आऊट कर श्रीलंका के 5 रन पर ही 3 विकेट गिरा दिए। इसके बाद दानुष्का गुणाथिलके और भानुका राजपक्षे ने पारी को संभाला। गुणाथिलके 17 रन बनाकर मुजीब की गेंद पर आऊट हो गए। क्रीज पर आए हसरंगा भी कुछ खास नहीं कर पाए और 2 रन बनाकर चलते बने।

कप्तान दासुन शनाका से काफी उम्मीदें थीं। क्योंकि वह श्रीलंका की ओर से इस साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में से एक थे। लेकिन अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी ने उन्हें पहली ही गेंद पर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। प्रैशर बढ़ने के कारण भानुका राजपक्षे 38 रन पर रन आऊट हो गए। इससे अगली ही गेंद पर थिकशाना भी रन आऊट हो गए। मथिशा ने पांच रन बनाए।

अफगानिस्तान (दूसरी पारी)

लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान ने तूफानी शुरूआत की। रहमानउल्लाह गुरबाज और जजई ने पावरप्ले का फायदा उठाते हुए बड़े शॉट लगाए। दोनों ने पहले पावरप्ले में ही स्कोर 83 रन पर ला खड़ा किया। हसरंगा ने पहली ही गेंद पर गुरबाज को बोल्ड कर दिया। गुरबाज ने 18 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 40 रन बनाए। वहीं, जजई अंत तक 37 रन बनाकर नाबाद रहे।

ऐसे शुरू हुआ था एशिया कप

1983 विश्व कप फाइनल में जब भारत और विंडीज की टीमें आमने-सामने हुई तो बीसीसीआई के उस वक्त के प्रेसिडैंट एन.के.पी. साल्वे ने स्टेडियम में मैच देखने की अच्छा व्यक्त की। लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया। साल्वे भारत आए और अपने इरादे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ साझा किए। तब पी.सी.बी. के हैड नूर खान थे। उनके साथ श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के हैड गामिनी दिसानायके भी जुड़ गए। 1983 में ही 19 सितंबर के दिन एशियन क्रिकेट कॉन्फ्रैंस (अब एशियन क्रिकेट कौंसल) बनाई गई। इसमें भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका फुल मैंबर थे। बाद में बंगलादेश, मलेशिया और सिंगापुर को भी जोड़ लिया गया। 1984 में पहली बार एशिया कप करवाया गया।

पाकिस्तान के 110 जिलों में बाढ़ से तबाही, 1000 से ज्यादा लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में 110 जिलों में बाढ़ से भारी तबाही हुई है। इस विनाशकारी बाढ़ में अब तक 1000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इस साल बाढ़ ने पिछले 50 साल का रिकार्ड तोड़

दिया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ से अब तक 1000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और 1527 लोग घायल हुए हैं। इस आपदा में 719,558 पशुओं की भी मौत हो चुकी है। प्राधिकरण के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 119 लोगों की मौत हुई है जबकि 71 लोग घायल हुए हैं। सिंध प्रांत में 76 , खैबर-पख्तूनख्वा में 31 , गिलगिट-बाल्टिस्तान में छह , बलूचिस्तान में चार तथा पीओके में एक व्यक्ति की मौत हुई है। मुल्क में 3,451.5 किलोमीटर सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। 149 पुल ढह गए हैं। करीब 10 लाख से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। पाकिस्तान के कम से कम 110 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें से 72 जिलों को आपदा प्रभावित घोषित किया गया है। बचाव दलों ने बाढ़ में फंसे 51,275 लोगों को बचाया है और 4,98,442 लोगों को राहत शिविरों में पनाह दी गई है।

बगदाद में आस्ट्रेलियाई राजनयिकों के काफिले पर विस्फोट

बगदाद। इराक के सबसे सुरक्षित ग्रीन जोन के पास आस्ट्रेलियाई राजनयिकों के काफिले को निशाना बनाते हुए विस्फोट किया गया है। इस विस्फोट में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विस्फोट के बावजूद आस्ट्रेलियाई काफिला ग्रीन जोन में घुसने में सफल रहा। इन सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, हाल के वर्षों में इराक के सबसे खराब राजनीतिक संकटों में से एक को समाप्त करने के लिए प्रभावशाली शिया धर्मगुरु मुक्तदा अल-सदर और प्रतिद्वंद्वी शिया पार्टियों के ईरान समर्थित गुट के बीच मध्यस्थता करने के लिए इराक में आस्ट्रेलियाई राजनयिक मिशन के प्रयासों के बीच यह विस्फोट हुआ।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अहमद अल-सहाफ ने हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा है कि इराक सभी राजनयिक मिशनों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी अस्थिरता फैलाने वाले समूहों के साथ समझौता करने में विफल रहे हैं। अल-सदर की पार्टी ने पिछले सप्ताह आयोजित अल-कदीमी की बैठक में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया था।अल-सदर ने अक्टूबर के चुनाव में सबसे अधिक सीटें हासिल कीं लेकिन बहुमत की सरकार बनाने में विफल रहे। जुलाई के अंत में उनके समर्थकों ने संसद पर धावा बोला था। वह लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

श्रीलंका की आड़ में अपना एजेंडा ना चलाए चीन, चीनी राजदूत पर बरसा भारत, जमकर सुनाई खरी खोटी

कोलंबो। श्रीलंका को लेकर भारत और चीन में तकरार सामने आ गई है। श्रीलंका के आंतरिक मामलों में ''हस्तक्षेप'' करने के चीन के आरोप पर भारत ने पलटवार करते हुए उससे दृढ़ता से कहा कि कोलंबो को अब ''सहयोग'' की आवश्यकता है न कि किसी अन्य देश के एजेंडे को पूरा करने के लिए ''अवांछित दबाव या अनावश्यक विवादों'' की जरूरत है। भारतीय हाई कमिशन ने शनिवार को कोलंबो में चीनी राजदूत को संकटग्रस्त देश पर अनुचित दबाव बनाने और श्रीलंका के हंबनटोटा में चीनी जासूसी जहाज तैनात करने के मामले में विवाद भड़काने के लिए फटकार लगाई। भारत ने चीनी राजदूत के बयान को चीन के रवैये से जोड़ दिया है। भारत ने कहा है कि श्रीलंका को मदद और समर्थन की जरूरत है। चीन अपना एजेंडा चलाने के लिए अवांछित दबाव या अनावश्यक विवादों में न लपेटें। चीन के बैलिस्टिक मिसाइल और उपग्रह निगरानी पोत 'युआन वांग-5' के हंबनटोटा बंदरगाह पर लंगर डालने पर भारत की आपत्ति की ओर इशारा करते हुए श्रीलंका में चीन के राजदूत की झेनहोंग ने शुक्रवार को कहा था कि बिना किसी साक्ष्य के तथाकथित सुरक्षा चिंताओं पर आधारित 'बाहरी अवरोध' श्रीलंका की संप्रभुता और स्वतंत्रता में पूरी तरह हस्तक्षेप है।

चीन देखता रह गया... ताइवान जलडमरूमध्य होकर गुजर गया अमेरिकी युद्धपोत

ताईपेई। अमेरिकी सदन की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की यात्रा के बाद अमेरिका ने चीन को एक और झटका दिया है। दरअसल, अमेरिकी नौसेना ने अपने दो युद्धपोतों को ताइवान जलडमरूमध्य से गुजारकर ड्रैगन को अपनी ताकत का एहसास करवाया है। बताया जा रहा है कि दो गाइडेड-मिसाइल क्रूजर, यूएसएस एंटियेटम और यूएसएस चांसलर्सविले, अंतरराष्ट्रीय जल के माध्यम से नेविगेशन की स्वतंत्रता का प्रदर्शन किया। अमेरिकी नौसेना ने एक बयान जारी कर कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य के माध्यम से होकर गुजरना अमेरिका की एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करता है। एक के बाद एक अमेरिकी अधिकारियों और राजनेताओं की ताइवान यात्रा ने चीन और अमेरिका के बीच एक नए सिरे से तनाव को जन्म दिया है।

जलडमरूमध्य पर दावा करता रहा है चीन

110 मील का जलडमरूमध्य पानी का एक खंड है जो ताइवान के लोकतांत्रिक स्व-शासित द्वीप को मुख्य भूमि चीन से अलग करता है। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी का द्वीप पर कभी नियंत्रण नहीं होने के बावजूद ताइवान पर संप्रभुता का दावा करता है और उसे अपना जलडमरूमध्य को मानता है। हालांकि, अमेरिकी नौसेना ने कहा कि अधिकांश जलडमरूमध्य अंतरराष्ट्रीय जल में है।

चीनी पत्रकार ने अमेरिका का बताया अमित्र शक्ति देश

ग्लोबल टाइम्स से जुड़े चीन के पत्रकार हू शिजिन ने कहा कि अमेरिकी सेना चीन को लगातार उकसाने का काम कर रहा है। अब और बर्दाश्त नहीं कर सकते। अब हमें भ्रम में रहना छोड़ देना चाहिए कि अमेरिका एक मित्र देश है। चीन के उदय को कमजोर करने में बाहरी ताकतों के लाभ को खत्म करने के लिए ताइवान मुद्दे के समाधान में तेजी आनी चाहिए। ताइवान जलडमरूमध्य चीन और ताइवान के बीच 1949 से ही एक तनावपूर्ण क्षेत्र रहा है।

फिलीपीन में नौका जलने के बाद 80 से ज्यादा यात्री बचाए गए

49 यात्री और चालक दल के 38 सदस्य थे सवार

मनीला। मनीला के दक्षिण में एक बंदरगाह की तरफ बढ़ते वक्त एक नौका में आग लग गई। इसके बाद तटरक्षक और अन्य बचावकर्मियों ने 80 से ज्यादा यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को बचाया। हवा के कारण आग की लपटें तेजी से फैलने लगी थीं। यह नौका 400 यात्रियों की क्षमता वाली है।

तटरक्षक बल ने कहा कि केवल दो यात्रियों का कोई पता नहीं है और अधिकारी जांच कर रहे हैं कि क्या दोनों लापता हैं या उन्हें बचा लिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, एम/वी एशिया फिलीपीन में 49 यात्री और चालक दल के 38 सदस्य थे। बचाए गए यात्रियों में से एक ने बताया कि ओरिएंटल मिंडोरो

प्रांत के कालापन शहर से आई नौका बटांगस बंदरगाह से करीब एक किलोमीटर दूर थी, तभी नौका के दूसरे डेक से धुआं निकलने लगा और आग की लपटें उठीं। बंदरगाह से निकटता के चलते यात्रियों को तेजी से बचाने में मदद मिली। नौका पर कम से कम 16 कारें और ट्रक भी थे।

जाली रिटर्न टिकट पर यूएई आए 80 पाकिस्तानी वापस लौटाए गए

इस डर की वजह से लिया फैसला

मनीला। मुस्लिम देशों को एकजुट करने में जुटे पाकिस्तान का हाल किसी से छिपा नहीं है। इस्लामाबाद से दुबई पहुंचे 80 पाकिस्तानियों को यूएई अफसरों ने वापस लौटा दिया है। ये लोग विजिटर्स वीजा पर दुबई पहुंचे लेकिन इनके रिटर्न टिकट जाली निकले।

यूएई के अधिकारियों को शक था कि ये पाकिस्तानी यात्री विजिटर्स वीजा के नाम पर दुबई में रोजगार खोजने आए हैं और नौकरी न मिलने पर गलत काम कर सकते हैं। इनके पास दुबई में रहने और खाने तक के लिए जरूरी पैसे नहीं थे। यूएई दो वर्ष पूर्व पाकिस्तानियों की गलत रिपोर्ट के चलते इम्प्लॉयमेंट वीजा पर रोक लगा चुका है। यहां पाकिस्तानियों

को देश के लिए खतरा माना जाता है। पाकिस्तानियों में कुछ लोग आतंकवाद में भी लिप्त पाए गए हैं इसलिए यूएई के अधिकारी पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ कई बार कार्रवाई कर चुके हैं।

यूक्रेन का रूसी ठिकाने पर बड़े हमले का दावा, 200 सैनिकों की मौत

कीव। यूक्रेन के लुहांस्क क्षेत्र के गवर्नर सेरही हैदाई ने एक टेलीग्राम पोस्ट में दावा किया कि हमारे सैनिकों ने रूसी कब्जे वाले कादिवका शहर में एक होटल में स्थापित ठिकाने पर हमला किया है। उन्होंने यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र (जहां रूस का कब्जा है) में एक बेस को तबाह करके 200 रूसी हवाई पेराट्रूपर्स को मार दिया है। हैदाई का यह दावा ऐसे वक्त में आया है जब यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्रों में रूस की प्रगति कथित रूप से ठप हो गई है। बता दें कि यूक्रेनी सेना 2014 के बाद से ही लुहांस्क और पास स्थित दोनेस्क प्रशासित जिले में रूस समर्थित अलगाववादियों से संघर्ष कर रही है। यह संघर्ष रूस के क्रीमिया पर कब्जे के साथ शुरू हुआ था। लुहांस्क के गवर्नर सेरही हैदाई ने अपनी पोस्ट में उन इमारतों की तस्वीरें भी दिखाई जिसमें कई तबाह इमारतें दिख रही हैं। उन्होंने बताया कि यूक्रेनी सैनिकों ने 19 जुलाई को पूर्वी यूक्रेन के दोनबास

क्षेत्र में बीएम-21 मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर दागा था। तब भी रूस को काफी क्षति हुई थी।

उन्होंने बताया कि यूक्रेनी सेना ने एक रूसी बेस पर हमला कर 200 एयरमैन मार दिए हैं। बता दें कि जुलाई में रूसी सेना द्वारा पूर्वी यूक्रेन के कई क्षेत्रों को कब्जे में लेने के बाद यूक्रेनी सेना उन्हें दोबारा अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश कर रही है।

रूस ने कहा, यूक्रेनी गोलाबारी जारी

रूसी मुख्यालय (क्रैमलिन) ने यूक्रेन के खिलाफ उन आरोपों को दोहराया कि उसने क्षेत्र में कई नागरिकों को निशाना बनाया है। बृहस्पतिवार को यूएन में रूसी राजदूत वसीली नेबेंजिया ने कहा कि दोनबास में यूक्रेन की आपराधिक गोलाबारी जारी है जिसमें पिछले महीने करीब 100 नागरिक मारे जा चुके हैं। उधर, रूस के राष्ट्रीय रक्षा प्रबंधन केंद्र के प्रमुख मिखाइल मिजन्त्सेव ने कहा कि लुहांस्क-दोनेस्क से 24,000 से ज्यादा लोगों को निकाला गया है।

आईएईए अफसर जल्द करेंगे एटमी ऊर्जा संयंत्र का दौरा

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के अधिकारी अस्थायी रूप से बंद हो चुके जपोरिझिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र का जल्द ही दौरा कर सकते हैं। बीती रात इस इलाके में और गोलाबारी हुई थी। जपोरिझिया में रूसी अफसरों ने इस आग के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि संयंत्र सामान्य रूप से काम कर रहा था, लेकिन इस समस्या के कारण यह संयंत्र केवल रूस के कब्जे वाले इलाकों में बिजली की आपूर्ति कर रहा है न कि बाकी के यूक्रेन में।

महिलाओं की स्थिति 'बड़ी त्रासदी', अमेरिकी प्रतिनिधि ने इस्लामी देशों से की आवाज उठाने की अपील

काबुल। अफगान लड़कियों, महिलाओं और मानवाधिकारों के लिए अमेरिका की विशेष प्रतिनिधि रीना अमीरी ने यहां के हालात को 'बड़ी त्रासदी' करार देते हुए इस्लामिक देशों, खासकर सऊदी अरब से, उनके लिए आवाज उठाने की अपील की है। सऊदी गजट अखबार के हवाले से टोलो न्यूज ने बताया कि उन्होंने कहा, महिलाओं के अधिकारों और मानवाधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए। यहां मीडिया में काम कर रही 80 फीसदी महिलाओं का काम छिन चुका है। देश की 1.8 करोड़ महिलाएं चिकित्सा, शिक्षा और सामाजिक अधिकारों से वंचित हैं। अमीरी ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों को भी शिक्षा पाने और काम करने का अधिकार है। उन्होंने इस्लामिक अमीर से दोहा समझौते को पूरा कराने की अपील की। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार मामलों के अवर महासचिव और आपातकालीन राहत समन्वयक मार्टिन ग्रिफिथ ने कहा था, अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों की स्थिति खराब हो रही है। उन्होंने तालिबान से लड़कियों के स्कूल खोलने का अनुरोध करते हुए कहा कि महिलाओं के अधिकार छीनने से स्थिति चिंताजनक है।एक साल से लड़कियों के लिए स्कूल बंद हैं। खामा प्रेस के मुताबिक, एक छात्रा शबाना ने कहा कि भारत के एक राष्ट्रपति ने कहा था, अगर मैं मर भी जाऊं तो लड़कियों के स्कूल बंद मत करना, क्योंकि पूरी पीढ़ी से शिक्षा का एक दिन छिन जाएगा। एक अन्य छात्रा परवाना ने कहा, मैं उनसे स्कूल खोलने के लिए कहती हूं। क्योंकि यह हमारा अधिकार है। इससे पहले एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा था कि महिलाओं और लड़कियों से उनके अधिकार छीन लिए गए हैं और उनका भविष्य अंधकारमय है। एमनेस्टी की दक्षिण एशिया क्षेत्र की निदेशक यामिनी मिश्रा ने कहा, अवैध हिरासत, प्रताड़ना, गायब कर दिया जाने और बेबात हत्या कर दिए जाने का दौर लौट आया है।

श्रीलंकाई स्कूली बच्चों के लिए अमेरिका ने भोजन किया दान, 24 घंटे खड़े होकर हिंदी में दिया भाषण

कोलंबो। अमेरिका ने कृषि मंत्रालय जरिये सेव द चिल्ड्रन के साथ साझेदारी के तहत श्रीलंका में स्कूली बच्चों के पोषण के लिए 3,000 मीट्रिक टन भोजन का दान किया है। इसके एक हिस्से के रूप में 320 मीट्रिक टन विभाजित पीले मटर का दान किया गया। श्रीलंका में अमेरिकी राजदूत जूली चुंग ने कहा, अमेरिकी लोगों का यह

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

घटना की पूरी जानकारी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट जल्द मुहैया कराने की मांग की है। उसने मृतक के पार्थिव शरीर को तत्काल पाकिस्तान भेजने की मांग भी की।

भारतीय अमेरिकियों ने टेक्सास में नस्ली हमले की निंदा की

भारतीय मूल के अमेरिकी संगठनों ने टेक्सास में चार भारतवंशी महिलाओं के साथ हुए घृणा अपराध की निंदा की है। आरोपी महिला एस्मेराल्डा अप्टन को एक पार्किंग स्थल में भारतवंशी महिलाओं से नस्ली दुर्व्यवहार करने, शारीरिक हमला करने व अपशब्द कहने पर गिरफ्तार किया जा चुका है।

'इंडियास्पोरा' के संजीव जोशीपुरा ने कहा, भारतीय मूल की चार महिलाओं को प्लानो, टेक्सास में नस्ली आधार पर अपशब्द कहने और उन्हें परेशान करने तथा दुर्व्यवहार करने की हालिया खबर ने पूरे समुदाय को झकझोर कर रख दिया है।

'इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट' के कार्यकारी निदेशक नील माखीजा ने कहा, यह हमला गत दो वर्षों में हुए घृणा अपराधों की कड़ी में एक बड़ी घटना है। इसी तरह की घटना कांग्रेस में पहली भारतवंशी महिला प्रमिला जयपाल के साथ भी हुई थी। उन्होंने कहा, एस्मेराल्डा अप्टन की हिंसक भावनाओं को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

बीआरआई पर लंदन परिचर्चा में सवाल, क्या खो चुका है आभा

चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशियेटिव (बीआरआई) पर लंदन के एनजीओ डेमोक्रेसी फोरम ने विशेषज्ञों की परिचर्चा का आयोजन किया। इसमें बीआरआई के लाभ और इसकी कीमत पर चर्चा की गई। इसमें पता चला कि बीआरआई से कनेक्टिविटी, व्यापार, विज्ञान व तकनीकी के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ा है, लेकिन साथ ही पर्यावरण

को गंभीर क्षति पहुंची है।

इसने देशों को ऋण जाल में फंसा दिया है। इसके बाद विशेषज्ञों ने सवाल किया कि क्या बीआरआई अपनी आभा खो चुका है। परिचर्चा के मॉडरेटर बीबीसी एशिया के पूर्व संपादक और लेखक हमफ्रे हॉक्सले ने कहा ने कहा, बीआरआई की परिकल्पना मुख्यत- उन क्षेत्रों के लिए की गई थी, जहां पश्चिमी लोकतांत्रिक देशों के कदम नहीं पड़े थे। यहां आधारभूत ढांचा विकसित करने का लक्ष्य था। इसी के बहाने चीन भी स्वर्ण युग का स्वप्न देख रहा था। हालांकि श्रीलंका, निकारागुआ और सोलोमन द्वीप जैसे देशों में अनुभव बिल्कुल अलग रहा। ये देश कर्ज में डूब गए और राजनीतिक अस्थिरता भी उत्पन्न हो गई।

तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन को मिला गोल्डन पीकॉक अवार्ड

तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन 3 और 4, न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को वर्ष 2022 के लिए गोल्डन पीकॉक ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी अवार्ड का विजेता घोषित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एम. एन. वेंकटचलैया ने स्टेशन निदेशक के वी गोपालदास और तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन 3 और 4 की टीम को यह पुरस्कार प्रदान किया। मुंबई में गोल्डन पीकॉक अवार्ड्स प्रेजेंटेशन समारोह आयोजित किया गया था। इसमें व्यापार और उद्योग जगत की हस्तियां भी मौजूद थीं।

सब्सिडी वाली उर्वरक अक्तूबर से भारत ब्रांड के नाम से बिकेंगी

यूरिया और डीएपी जैसे सब्सिडी वाले सभी उर्वरकों की बिक्री सरकार अक्तूबर से भारत नाम के एकल ब्रांड के तहत करेगी। उर्वरकों को समय पर किसानों को उपलब्ध कराने और मालढुलाई सब्सिडी की लागत घटाने के लिए सरकार ऐसा करने जा रही है। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को प्रधानमंत्री भारतीय जनउर्वरक परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत एक राष्ट्र एक उर्वरक पहल की शुरुआत करते हुए इसकी घोषणा की।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उर्वरक कंपनियां बोरी के एक-तिहाई हिस्से पर अपना नाम, ब्रांड, प्रतीक (लोगो) और अन्य जरूरी सूचनाएं दे सकेंगी। लेकिन उर्वरक की बोरी के दो-तिहाई हिस्से पर भारत ब्रांड और पीएमबीजेपी का लोगो लगाना होगा।

खुली पोलः चीनी कंपनियों ने अमेरिका-यूरोप में गंवाया विश्वास

खुफिया एजेंसियों ने माना- तकनीक चुराना इनका मकसद

वाशिंगटन। 'चीनी कंपनियां तुम्हारी तकनीकें चुरा लेंगी। वे तकनीकें, जिनसे तुम्हारे उद्योग आगे बढ़ रहे हैं। इसी का इस्तेमाल तुम्हारे कारोबार खत्म करने में करेंगी। तुम्हारे ही बाजार में आकर तुम्हें दबाएंगी।' अमेरिकी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के डायरेक्टर क्रिस्टोफर ए रे के ये चेतावनी भरे शब्द उस डर को बताते हैं, जो विकसित देशों के मन में तो हैं लेकिन अब तक वे इस पर खुलकर बात नहीं कर रहे थे।

अब हालात बदले हैं। अमेरिका, यूरोपीय संघ, यूके ने चीनी कंपनियों को प्रतिबंधित करना शुरू कर दिया है। एफबीआई की तरह यूके की खुफिया एजेंसी एमआई5 ने भी पहली बार चीनी सरकार की जासूसी के खिलाफ चेतावनी जारी की है। एशियन लाइट इंटरनेशनल के अनुसार, एजेंसियों ने माना है कि चीन सरकार बड़े तालमेल के साथ जासूसी अभियान चला रही है। चीनी कंपनियां का लक्ष्य दूसरे देशों की महत्वपूर्ण तकनीक हासिल करना या चुराना है। पश्चिमी देशों की एजेंसियों के अनुसार खतरा 'वास्तविक' है और 'तत्काल ध्यान देना होगा।' देरी हुई तो पूरा खेल बदल सकता है। यानी चीन तकनीकी क्षेत्र में बहुत आगे निकल जाएगा।

सख्ती की शुरुआत

मार्च, 2021 में अमेरिका के फेडरल कम्युनिकेशन कमीशन ने पांच चीनी कंपनियों को देश की सुरक्षा के लिए खतरा मानकर

प्रतिबंधित किया। इसके लिए 2019 में ही बने नये कानून का उपयोग किया। प्रतिबंधित कंपनियों में चीन की प्रमुख टेक कंपनी हुआवे टेक्नोलॉजी, जेडटीई कॉर्प, हाईटेरा कम्युनिकेशन कॉर्प, हांग्जो हाईकीविजन डिजिटल टेक, झिजियांग देहुआ टेक शामिल हैं।

इस तरह पहचान कर रोक रहे चीन का खतरा

खुफिया एजेंसी ने पता लगाया कि कौन सी कंपनियों के उपकरण और सेवाएं अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों को किस तरह खतरे में डाल रही हैं।

2018 में अमेरिका ने डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट बनाया। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समय में हुआवे सहित कई कंपनियों को कारोबार की ब्लैक लिस्ट में डाला गया।

रिपब्लिकन सांसदों ने चिंता जताई कि हुआवे क्लाउड सर्विसेस 40 देशों में मौजूद है। इसका उपयोग चीन की कम्युनिस्ट पार्टी जासूसी के लिए कर रही है। विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन को अमेरिका में इसका प्रसार रोकने को कहा गया।

यूरोप ने भी उठाए कदम

फरवरी में यूरोपीय संघ ने विश्व व्यापार संगठन में चीन के खिलाफ केस दायर कर कहा कि चीन उसकी कंपनियों को वाजिब अधिकार होने के बावजूद 4जी या 5जी जैसी अहम तकनीक उपयोग नहीं करने देता। पेटेंट का गलत उपयोग करता है। यूके ने हुआवे को अपने यहां 5जी सेवाएं विकसित करने की योजना में शामिल होने से प्रतिबंधित कर दिया। फ्रांस व इटली ने हुआवे को सीधे तौर पर प्रतिबंधित नहीं किया, लेकिन उसके उपकरण उपयोग करने पर रोक लगा दी है।